RNI No. 58061/93 ▪ वर्ष - 22 ▪ अंक - 35 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » गुरुवार » 27-08-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

4 देश को बांटने वाले बयान दे रहे राहुल गांधी : शेखावत

6 त्योहारी सीजन में महंगाई ने फिर दिखाए अपने तेवर

7 एक्टर बहुत बहादुर होते हैं : अनुपम खेर

फर्स्ट टेक

पाकिस्तान के एक अस्पताल में आग लगने से 14 शिशुओं की मौत

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद के एक प्रमुख अस्पताल के स्त्री रोग वार्ड में बुधवार को भीषण आग लगने से कम से कम 14 नवजात शिशुओं की मौत हो गयी। प्राधिकारियों ने यह जानकारी दी। यह आग राजधानी के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल पाकिस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (पीआईएमएस) में सुबह करीब सात बजे लगी। इस्लामाबाद प्रशासन ने एक बयान में कहा कि अस्पताल के मातृ एवं शिशु वार्ड की तीसरी मंजिल पर आग लगने से 14 नवजातों की मौत हो गई। पीआईएमएस की प्रवक्ता डॉ. अनीजा जलील ने डॉन' अखबार को बताया कि जिस वार्ड में आग लगी, वहां 15 नवजात शिशु मौजूद थे। उन्होंने कहा, ''एक डॉक्टर ने कम से कम एक नवजात शिशु को बचा लिया।'' प्रशासन के बयान के अनुसार, घटना की सूचना मिलते ही बचाव दल मौके पर पहुंच गए।

जो व्यक्ति 'वंदे मातरम' के खिलाफ हो, उसे 'राष्ट्रविरोधी' समझा जाए : सिंधिया

इंदौर/भाषा। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने राष्ट्रीय गीत के प्रति सम्मान को देश के हर नागरिक के लिए अनिवार्य बताते हुए बुधवार को कहा कि 'वंदे मातरम' के खिलाफ रहने वाले लोगों को राष्ट्रविरोधी समझा जाना चाहिए। सिंधिया ने इंदौर में संवाददाताओं से कहा कि देश के हर नागरिक को 'वंदे मातरम' को सिर-माथे पर लेना (बहुत सम्मानपूर्वक स्वीकार करना) होगा और इसे अपने दिल में रखना होगा। केंद्रीय मंत्री सिंधिया से कांग्रेस के कार्यक्रमों में 'वंदे मातरम' के केवल शुरुआती दो अंतरों के गायन के फैसले पर प्रतिक्रिया मांगी गई थी।

मेघालय विधानसभा ने यूरेनियम अन्वेषण एवं खनन के विरुद्ध प्रस्ताव पारित किया

शिलांग/भाषा। मेघालय विधानसभा ने इस पूर्वोत्तर राज्य में यूरेनियम अन्वेषण और खनन के खिलाफ बुधवार को एक प्रस्ताव पारित किया। मुख्यमंत्री कॉनराड के संगमा ने यह प्रस्ताव पेश किया जिसका सभी 60 विधायकों ने समर्थन किया। उसके बाद विधानसभा ने ध्वनिमत से उसे पारित कर दिया। इस प्रस्ताव में केंद्र सरकार, परमाणु ऊर्जा विभाग और यूरेनियम कॉर्पोरेशन ऑफ़ इंडिया लिमिटेड' से अपील की गयी है कि वे पश्चिम खासी पर्वतीय क्षेत्र में काइलेंग-पायंडेंगसोहिओंग-मावथाबाह (केपीएम) यूरेनियम खनन परियोजना समेत मेघालय में यूरेनियम खनन की अनुमति न दें, खनन का कोई भी काम शुरू न करें, उसे आगे न बढ़ाएं।

नेपाल में बाढ़ के बाद करीब 400 लोग लापता

105 भारतीय भी शामिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

काठमांडू/भाषा। तिब्बत से लगे नेपाल के रसुवा जिले में बुधवार सुबह अचानक आई विनाशकारी बाढ़ के बाद लापता करीब 400 लोगों में कम से कम 105 भारतीय और 37 अप्रवासी भारतीय (एनआरआई) शामिल हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि तिब्बत से सटे इलाके में आई अचानक बाढ़ से कई गांव तबाह हो गये और कई बुनियादी संरचनाओं को नुकसान पहुंचा। अधिकतर भारतीय तिब्बत में कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए जा रहे थे। तिब्बत से लगे मध्य नेपाल के दो जिलों में बुधवार सुबह अचानक आई भीषण बाढ़ में चार लोगों की मौत हो गई।

मध्य नेपाल के कई जिले बुधवार को तिब्बत में अचानक आई भीषण बाढ़ की चपेट में आ गए जिससे कम से कम 46 लोगों की मौत हो गई तथा 105 भारतीयों समेत करीब 500 लोग लापता हैं। सुरक्षा अधिकारियों ने बताया कि बाढ़ प्रभावित इलाकों से अब तक 46 शव बरामद किए गए हैं। बागमती प्रांत पुलिस कार्यालय के प्रवक्ता राजेंद्र प्रसाद धमाला के अनुसार, चितवन जिले से 18, धादिंग से 16, नुवाकोट से 11 और रसुवा से एक शव बरामद किया गया है। बाढ़ से नदी किनारे बसे इलाकों में भारी तबाही हुई और कम से कम एक दर्जन जलविद्युत परियोजनाएं क्षतिग्रस्त हो गईं। अधिकारियों ने बताया कि तिब्बत की ओर से सुबह करीब नौ बजे (स्थानीय समयानुसार) भोटे कोशी नदी में बाढ़ आई। उन्होंने बताया कि अचानक आई बाढ़ से रसुवा और धादिंग जिलों के अलावा काठमांडू के दक्षिण-पश्चिम में स्थित नुवाकोट जिला भी प्रभावित हुआ। नेपाल पर्यटन बोर्ड (एनटीबी) ने एक बयान जारी कर बताया कि रसुवा में आई बाढ़ के कारण कुल 384 यात्री लापता हैं, जिनमें 291 विदेशी नागरिक और 93 नेपाल के नागरिक शामिल हैं। बोर्ड के मुताबिक, इन लापता यात्रियों में 105 भारतीय, 37 अप्रवासी भारतीय (एनआरआई) और अमेरिका, मलेशिया, ब्रिटेन, दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया तथा नीदरलैंड के अन्य पर्यटक शामिल हैं।

'सम्राट टूर्स एंड ट्रैवल एजेंसी' ने बताया कि लापता भारतीयों में कम से कम 59 लोग कैलाश मानसरोवर यात्रा पर जा रहे तीर्थयात्री थे। काठमांडू स्थित भारतीय दूतावास ने अचानक आई बाढ़ से प्रभावित भारतीय नागरिकों की सहायता और उनसे जुड़ी जानकारी के लिए आपातकालीन नंबर जारी किए हैं। नेपाल पर्यटन बोर्ड ने मदद के लिए टोल-फ्री आपातकालीन नंबर 1234, हॉटलाइन नंबर 1144 और पर्यटक पुलिस का नंबर भी जारी किया है। स्थानीय मीडिया की खबरों के अनुसार, नेपाल पर्यटन बोर्ड, पर्यटक पुलिस और पर्यटन क्षेत्र से जुड़े संगठन प्रभावित इलाकों में मौजूद या वहां से गुजर रहे लोगों के ठिकाने व उनकी सुरक्षा की स्थिति की पुष्टि करने में जुटे हैं।

नेपाल के साथ खड़ा है भारत

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने नेपाल में बुधवार को अचानक आई बाढ़ से हुई तबाही के मद्देनजर अपने नेपाली समकक्ष रामचंद्र पौडेल और पड़ोसी देश के लोगों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि भारत इस मुश्किल घड़ी में नेपाल के साथ एकजुटता से खड़ा है। मध्य नेपाल के कई जिले बुधवार को तिब्बत में अचानक आई भीषण बाढ़ की चपेट में आ गए जिससे कम से कम 46 लोगों की मौत हो गई तथा 105 भारतीयों समेत करीब 500 लोग लापता हैं। सुरक्षा अधिकारियों ने बताया कि बाढ़ प्रभावित इलाकों से अब तक 46 शव बरामद किए गए हैं। राष्ट्रपति मुर्मू ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि भारत इस आपदा से प्रभावित लोगों की मदद के लिए नेपाल सरकार के राहत एवं बचाव कार्यों में सहयोग करने को तैयार है। राष्ट्रपति ने कहा, ''मैं आज अचानक आई बाढ़ से हुई तबाही को लेकर नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल और नेपाल के लोगों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करती हूं।

मोदी ने बालेंद्र शाह से बात की

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को नेपाल के अपने समकक्ष बालेंद्र शाह से बात की और वहां बाढ़ से हुई जान-माल की क्षति पर संवेदना व्यक्त की। साथ ही, उन्होंने कहा कि भारत पड़ोसी देश को हरसंभव मानवीय सहायता देने के लिए तैयार है। मोदी ने यह भी कहा कि भारत के लोग इस कठिन समय में नेपाल के अपने भाइयों और बहनों के साथ एकजुटता से खड़े हैं। बुधवार सुबह तिब्बत की सीमा से लगे मध्य नेपाल के दो ज़िलों में अचानक आई भीषण बाढ़ से चार लोगों की मौत हो गई। इससे नदी के किनारे बसे इलाकों में भारी तबाही हुई और कम से कम एक दर्जन पनबिजली परियोजनाओं को नुकसान पहुंचा। अधिकारियों ने बताया कि तिब्बत की ओर से आई बाढ़ सुबह करीब नौ बजे (स्थानीय समय) भोटे कोशी नदी में तेज़ी से बढ़ी, जिससे तिब्बत से सटे रसुवा और धादिंग ज़िले तथा काठमांडू के दक्षिण-पश्चिम में स्थित नुवाकोट ज़िला प्रभावित हुआ।

अमित शाह ने बिहार के मुख्यमंत्री से बात की

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से राज्य में बाढ़ के खतरे को लेकर बुधवार को बात की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। मूसलाधार बारिश और पड़ोसी देश नेपाल में हिमनद फटने के बाद बिहार में बाढ़ का खतरा बना हुआ है। अधिकारियों ने बताया कि किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) को तैनात किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि चौधरी से फोन पर हुई बातचीत में शाह ने संभावित संकट से निपटने के लिए केंद्र सरकार की ओर से हर संभव मदद का आश्वासन दिया। तिब्बत की सीमा से लगे मध्य नेपाल के दो जिलों में बुधवार को अचानक आई भीषण बाढ़ में चार लोगों की मौत हो गई। बाढ़ से नदी किनारे बसी बस्तियों में भारी तबाही हुई और कम से कम 12 जलविद्युत परियोजनाएं क्षतिग्रस्त हो गईं। अधिकारियों ने बताया कि स्थानीय समयानुसार सुबह लगभग नौ बजे तिब्बत की ओर से भोटे कोशी नदी में अचानक बाढ़ आई, जिससे तिब्बत की सीमा से लगे रसुवा और धादिंग जिले तथा काठमांडू के दक्षिण-पश्चिम में स्थित नुवाकोट जिला प्रभावित हुआ।

भारत सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था, निवेश के मजबूत अवसर उपलब्ध : सीतारमण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वॉशिंगटन/भाषा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कनाडा की संस्थाओं से निवेश का आह्वान करते हुए कहा कि भारत आज दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है और यहां व्यापक अवसर, निरंतर वृद्धि, युवा आबादी, बढ़ती खपत तथा तेजी से विकसित हो रहे पूंजी बाजारों का अनूठा संयोजन निवेश के मजबूत अवसर प्रदान करता है। टोरंटो में भारतीय कारोबारी समुदाय के प्रमुख सदस्यों को संबोधित करते हुए सीतारमण ने कहा, ''दीर्घकालिक नजरिया रखने वाले कनाडा के निवेशकों के लिए भारत व्यापक अवसर, निरंतर वृद्धि, युवा आबादी, बढ़ती खपत और तेजी से विकसित होते पूंजी बाजार जैसे संयोजन पेश करता है, जिसकी बराबरी करना मुश्किल है।'' उन्होंने कहा कि भारत में बदलाव संरचनात्मक है, जो तेजी से हो रहे शहरीकरण, बढ़ते मध्यम वर्ग और विश्वस्तरीय डिजिटल बुनियादी ढांचे से प्रेरित है। इससे अर्थव्यवस्था के लगभग हर क्षेत्र में नए अवसर उत्पन्न हो रहे हैं।

वित्त मंत्री ने वित्तीय एवं वाणिज्यिक सेवाओं तक पहुंच में बदलाव लाने में भारत की डिजिटल प्रणाली की भूमिका को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि देश के डिजिटल बुनियादी ढांचे ने वित्तीय एवं वाणिज्यिक सेवाओं तक पहुंच की लागत को काफी कम किया है और उनकी पहुंच का दायरा बढ़ाया है।

सीतारमण ने कहा कि लेनदेन की मात्रा के लिहाज से यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) दुनिया की सबसे बड़ी वास्तविक-समय भुगतान प्रणाली है और यह वित्तीय समावेश, दक्षता तथा नवाचार का महत्वपूर्ण माध्यम बन गया है। वित्त मंत्री ने कहा कि भारत में कनाडा के बैंकों, वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनियों और नियामकों के साथ न केवल भुगतान के क्षेत्र में बल्कि अगली पीढ़ी के डिजिटल वित्तीय बुनियादी ढांचे को आकार देने में भी सहयोग के महत्वपूर्ण अवसर मौजूद हैं। भारत-कनाडा आर्थिक साझेदारी के बढ़ते महत्व का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि कनाडा में भारतीय प्रवासी दोनों देशों के बीच एक रणनीतिक सेतु हैं। उन्होंने कहा, ''यह ऐसा समुदाय है, जो कनाडा की कंपनियों के निदेशक मंडलों, 'बे स्ट्रीट' के कारोबार केंद्रों और पेंशन कोषों की जोखिम समितियों में मौजूद है।'' सीतारमण ने कहा कि भारत-कनाडा द्विपक्षीय संबंधों में हाल के समय में उल्लेखनीय बदलाव आया है। यह साझा लोकतांत्रिक एवं बहुलतावादी मूल्यों, बढ़ते आर्थिक जुड़ाव, उच्चस्तरीय संवाद और मजबूत जन-जन संबंधों से समर्थित है।

शी चिनफिंग ने राहत एवं बचाव अभियान शुरू करने का आदेश दिया

बीजिंग/भाषा। चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने तिब्बत में चीन-नेपाल सीमा क्षेत्र के गांवों में आई विनाशकारी बाढ़ के बाद लापता लोगों की तलाश और उन्हें बचाने के लिए हरसंभव प्रयास करने का आदेश दिया। इस आपदा के कारण बड़ी संख्या में लोग हताहत हुए हैं। आपात स्थिति से निपटने के अभियान में मदद के लिए पीपुल्स आर्म्ड पुलिस के शिगात्से दस्ते के 145 अधिकारियों और जवानों को भूस्खलन प्रभावित सीमावर्ती इलाके में स्थित बंदरगाह भेजा गया है। तिब्बत की सीमा से लगे मध्य नेपाल के दो जिलों में बुधवार सुबह अचानक आई भीषण बाढ़ में चार लोगों की मौत हो गई। बाढ़ से नदी किनारे बसी बस्तियों में भारी तबाही हुई और कम से कम एक दर्जन जलविद्युत परियोजनाएं क्षतिग्रस्त हो गईं। कम से कम 105 भारतीय और 37 प्रवासी भारतीय उन 400 लोगों में शामिल हैं, जिनका अब तक कोई पता नहीं चल पाया है। शी ने जोखिम वाले इलाकों में रह रहे लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने और घायलों को समय पर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के प्रयास करने के निर्देश दिए ताकि जानमाल का कम से कम नुकसान हो। सरकारी समाचार एजेंसी 'सिन्हुआ' के अनुसार, शी ने ये निर्देश बुधवार पूर्वाह्न करीब 10:30 बजे हुए भूस्खलन के बाद दिए।

भारत-जापान व्यापार समझौते का दायरा बढ़ने की उम्मीद : गोयल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागोया/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को कहा कि उन्होंने अपने जापानी समकक्ष के साथ दोनों देशों के मौजूदा व्यापार समझौते की समीक्षा पर चर्चा की है और दोनों देश इसके दायरे के विस्तार की उम्मीद कर रहे हैं। भारत और जापान ने अगस्त, 2011 में व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) को लागू किया था। भारत लंबे समय से द्विपक्षीय व्यापार में संतुलन बनाने के लिए इस समझौते की समीक्षा की मांग करता रहा है। गोयल ने यहां संवाददाताओं से कहा, मैंने अपने समकक्ष मंत्री के साथ भी इस पर चर्चा की है और हम इस संबंध के विस्तार के लिए समझौते का दायरा बढ़ाने तथा नए अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में काम करने की उम्मीद कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अभी समझौते की समीक्षा के लिए संदर्भ शर्तों पर काम शुरू नहीं हुआ है, लेकिन दोनों पक्ष चर्चा के बाद सहयोग के दायरे और स्तर को बढ़ाने के लिए तैयार होंगे। गोयल 24 अगस्त से जापान की चार दिवसीय यात्रा पर हैं और 200 से अधिक प्रतिनिधियों वाले भारतीय कारोबारी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत और जापान ने व्यापार को अधिक संतुलित बनाने की जरूरत पर भी चर्चा की है। दोनों देशों के बीच 2025-26 में द्विपक्षीय व्यापार 9.18 प्रतिशत बढ़कर 27.47 अरब डॉलर हो गया, जो 2024-25 में 25.16 अरब डॉलर था। गोयल ने कहा कि आयात को केवल आंकड़ों के आधार पर नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि यह भी देखना होगा कि भारत किन वस्तुओं का आयात कर रहा है। उन्होंने कहा कि मशीनरी और उपकरण जैसे कई आयात देश में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने में मदद करते हैं।

बिहार, उप्र में बाढ़ की आशंका के मद्देनजर 'हाई अलर्ट' पर एनडीआरएफ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) ने बुधवार को कहा कि नेपाल में अचानक आई बाढ़ के कारण गंडक नदी का जलस्तर बढ़ने और बिहार तथा उत्तर प्रदेश के सीमावर्ती इलाकों में बाढ़ आने की आशंका के मद्देनजर वह ''हाई अलर्ट'' पर है। एनडीआरएफ ने शाम साढ़े छह बजे जारी अद्यतन बयान में बताया कि वह स्थिति पर ''करीबी नजर'' रख रहा है और बिहार एवं उत्तर प्रदेश में बाढ़ से बचाव कार्यों के लिए 20 टीम तैनात की गई हैं। उसने बताया कि केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) की ओर से जारी परामर्श और मीडिया की खबरों के अनुसार, नेपाल-चीन सीमा के पास संभवत: हिमनद झील फटने से आई बाढ़ (जीएलओएफ) के कारण भारतीय सीमा से करीब 160 किलोमीटर दूर नेपाल के फुर्के खोला में त्रिशूली नदी का जलस्तर अचानक बढ़ गया है।

बल ने कहा, ''बाढ़ का पानी नीचे की ओर गंडक नदी में बढ़ने की आशंका है। गंडक नदी के किनारे भारत-नेपाल सीमा के पास बिहार और उत्तर प्रदेश के स्थानीय प्रशासन को सतर्क रहने और स्थिति पर करीबी नजर बनाए रखने की सलाह दी गई है।''

उसने कहा कि नेपाल में अचानक आई बाढ़ के कारण गंडक नदी में बाढ़ की आशंका को देखते हुए एनडीआरएफ हाई अलर्ट' पर है। बयान में बताया गया कि एनडीआरएफ ने पश्चिम चंपारण समेत बिहार में नौ टीम तथा कुशीनगर समेत उत्तर प्रदेश में 11 टीम तैनात की हैं। गंडक नदी के करीब होने के कारण कुशीनगर के बाढ़ से प्रभावित होने की आशंका है।

सूर्यास्त 27-07-2026 6:34 बजे	सूर्योदय 28-08-2026 6:10 बजे
BSE 77,472.94 (-183.15)	NSE 24,207.75 (-126.80)
सोना 16,866 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 220,030 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

कद की भद

है लोकतंत्र में नहीं खुदा,
कोई भी मंत्री या सांसद।
सब संविधान के हैं अधीन,
सबको है खबर सभी की हद।
करते विरोध जो जायज का,
कुछ वोटों का पा करके मद।
विस्मृत करके वे अपना कद,
उड़वाते हैं खुद की खुद भद।

नेत्रदान जागरूकता व प्रचार सेमिनार आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ युवक परिषद बेंगलूरु के तत्वावधान में राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़ा के अंतर्गत नेत्रदान जागरूकता एवं प्रचार सेमिनार का आयोजन साध्वीश्री पावनप्रभाजी के सान्निध्य में तेरापंथ भवन में किया गया। सेमिनार का उद्देश्य समाज में नेत्रदान के महत्व एवं इसकी सरल प्रक्रिया के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। नेत्रदान राज्य प्रभारी और परिषद के संगठन मंत्री मोहित सुराणा ने चिकित्सकों का स्वागत किया।

नारायण नेत्रालय की ओर से डॉ. तारा ने नेत्रदान के महत्व एवं कॉर्निया ट्रांसप्लांट से मिलने वाले लाभों की जानकारी दी। डॉ. राजकुमार आई बैंक की ओर से वरीश ने मृत्यु के पश्चात नेत्रदान की प्रक्रिया एवं परिवार की भूमिका के बारे में बताया। इस अवसर पर तेयुप के अध्यक्ष विनोद कोठारी, मंत्री विवेक मरोठी सहित सहयोगी संगठनों के पदाधिकारी एवं श्रावक-श्राविकाएं उपस्थित थे।

कर्मों की निर्जरा कर आत्मशुद्धि का मार्ग प्रशस्त करती है तपस्या : डॉ.पदमचन्द्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ ट्रस्ट एवं चातुर्मास समिति, हलसूर के तत्वावधान में आचार्यश्री पार्श्वचन्दजी के सान्निध्य में तपस्याओं की झड़ी लगी हुई है। डॉ पदमचन्द्रजी ने कहा कि शरीर का भोजन दाल-रोटी, फल और दूध हो सकता है, लेकिन आत्मा का भोजन तो तपस्या है। जिस प्रकार बादल सूर्य के प्रकाश को रोकता हैं उसी प्रकार कर्म आत्मा के गुणों को ढकते हैं और तपस्या कर्मों की निर्जरा कर आत्मशुद्धि का मार्ग प्रशस्त करती है। उन्होंने कहा कि अहिंसा और संयम के बिना तपस्या अधूरी है। वही इसकी आधार शिला है जिसके बिना समस्त शून्य के समान गिना जाता है। तपस्या केवल भोजन छोड़ना नहीं, बल्कि इच्छाओं पर नियंत्रण, आत्मबल की वृद्धि और कर्मों की निर्जरा की साधना है। गुरुभक्ति, सेवा एवं श्रद्धा का उल्लेख करते हुए उन्होंने भारतीय संस्कृति के दान, शील, तप और भाव को धर्म के चार प्रमुख आधार बताया।

जयपुरंदरमुनिजी ने कहा कि जीवन में आने वाले सुख-दुःख और प्रतिकूल परिस्थितियों को कर्मों का फल मानकर समभाव से स्वीकार करना चाहिए। सुखी जीवन के तीन सूत्र कम खाना, गम खाना और नम जाना' बताते हुए कहा कि इंद्रिय संयम, सहनशीलता और विनम्रता जीवन को सुखी बनाते हैं। मुनिश्री ने शास्त्रों में वर्णित आर्त, रौद्र, धर्म और शुक्ल चार प्रकार के ध्यान का मर्म बताते हुए कहा कि वर्तमान समय में आत्मशुद्धि के लिए धर्म ध्यान महत्वपूर्ण है।

अक्षय श्रीश्रीमाल ने 31 उपवास की तपस्या के प्रत्याख्यान ग्रहण कर गुरु पार्श्व पदम चातुर्मास का चौथा मासखमण सम्पन्न किया। समिति द्वारा तपस्वी का सम्मान किया गया। इस मौके पर समिति के सदस्य, विभिन्न सभा संस्थाओं के पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित थे।अध्यक्ष किशनलाल कोठारी ने स्वागत किया। कार्याध्यक्ष सुनील गादिया और भोजन व्यवस्था समिति चेयरमैन ललित कांकरिया ने संचालन किया।

नेत्रदान जागरूकता एवं प्रचार सेमिनार आयोजित

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। तेरापंथ युवक परिषद् राजाजीनगर के तत्वावधान में राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़ा के अंतर्गत नेत्रदान जागरूकता एवं प्रचार सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार का उद्देश्य समाज में नेत्रदान के महत्व एवं इसकी सरल प्रक्रिया के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। तेयुप अध्यक्ष राजेश देरासरिया ने नेत्रदान पखवाड़े की संक्षिप्त जानकारी दी। नारायण नेत्रालय से डॉ. तारा ने नेत्रदान के महत्व एवं कॉर्निया ट्रांसप्लांट से दृष्टिहीन सदस्यों को मिलने वाले लाभ की जानकारी प्रदान की। डॉ. राजकुमार आई बैंक की ओर से वीरेश ने मृत्यु के पश्चात नेत्रदान की प्रक्रिया एवं परिवार की भूमिका के बारे में बताया।

विजयन ने कन्नूर भूस्खलन के पीछे राष्ट्रीय राजमार्ग की डिजाइन संबंधी खामियों को जिम्मेदार ठहराया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कन्नूर (केरलम)/भाषा। केरल विधानसभा में विपक्ष के नेता पिनराई विजयन ने बुधवार को आरोप लगाया कि राष्ट्रीय राजमार्ग में डिज़ाइन की खामी के कारण यहां भारी बारिश के बाद इलायावूर में मिट्टी धंसने की घटना हुई एवं सुरक्षा दीवार क्षतिग्रस्त हो गई।

भूस्खलन के बाद प्रभावित क्षेत्र का दौरा करने के एक दिन बाद विजयन ने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) 2023 में वहां ऐसा ही भूस्खलन होने के बाद भी प्रभावी कदम उठाने में विफल रहा।

उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने स्वयं ही माना था कि राष्ट्रीय राजमार्ग के डिजाइन में खामियां हैं। एनएचएआई ने पहले आश्वासन दिया था कि राजमार्ग को केरल की भौगोलिक स्थिति के हिसाब से बनाया जाएगा।

विजयन ने ऐसी घटनाओं की पुनरावृति रोकने के लिए तुरंत कदम उठाने और केरलम की भौगोलिक और भू-आकृतिक स्थितियों का विस्तार से अध्ययन करने की मांग की। विजयन ने एनएचएआई से यह भी कहा कि वह अपनी तकनीकी विशेषज्ञता और तंत्र का इस्तेमाल करे तथा आगे ऐसी दुर्घटनाओं को रोकने के लिए ज़्यादा सावधानी बरते।

ज़िला प्रशासन ने बताया कि मंगलवार को उत्तरी कन्नूर जिले के कुछ हिस्सों में भारी बारिश हुई, जिससे जमीन खिसकने की घटनाएं हुईं, राष्ट्रीय राजमार्ग की सुरक्षा दीवार को नुकसान पहुंचा और कुछ इलाकों में यातायात बाधित हुआ।

स्थानीय लोगों का कहना था कि इस जगह पर तीन साल पहले भी भूस्खलन की एक बड़ी घटना हुई थी।

जिलाधिकारी ने एनएचएआई अधिकारियों से इस घटना के बारे में तुरंत रिपोर्ट मांगी थी।

तिरुवोनम पर घर-घर छाई ओणम की रौनक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल में बुधवार को हर कहीं ओणम की रौनक दिखाई दी और लोग 10 दिवसीय इस उत्सव के समापन और सबसे महत्वपूर्ण दिन तिरुवोनम को पूरे उत्साह के साथ मना रहे हैं।

इस मौके पर अलग-अलग जगहों पर रहने वाले परिवार के सदस्य घर लौटे और कई पीढ़ियां एक साथ जुटकर खुशियां साझा करती नजर आईं। बच्चों की फूलों की रंगोली के बीच खिलखिलाहट से लेकर विदेशों में रहने वाले परिजनों की घर वापसी तक, केरल में ओणम का उल्लास नजर आया। कई परिवारों के लिए यह केवल पारंपरिक भोजन और नए कपड़े पहनने का त्योहार नहीं, बल्कि लंबे समय से प्रतीक्षित घर वापसी का अवसर भी था। बेटे-बेटियां और पोते-पोतियां दुनिया के अलग-अलग हिस्सों से लौटकर परिवार के साथ ओणम की खास सद्या (पारंपरिक भोज) में शामिल हुए।

पत्तनमथिट्टा के पंडालम की सेवानिवृत्त सरकारी कर्मचारी सुशीला देवी ने कहा, जब पूरा परिवार एक साथ होता है, तभी ओणम वास्तव में पूरा लगता है। हम अपने बच्चों और पोते-पोतियों के लौटने का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। आज उनका हमारे साथ होना सबसे अनमोल उपहार है। सुबह महिलाओं ने पारंपरिक कसावु साड़ी और पुरुषों ने मुंडू पहनकर मंदिरों का रुख किया। गुरुवायूर श्रीकृष्ण मंदिर समेत प्रमुख मंदिरों में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। कई इलाकों में रुक-रुककर हुई बारिश भी लोगों के उत्साह को कम नहीं कर सकी। घरों में बच्चों और युवाओं ने रंग-बिरंगे पुक्कलम (फूलों की रंगोली) बनाए। आंगनों में पारंपरिक ऊंजल (झूले) लगाए गए। बच्चों के लिए नए कपड़े, झूला और स्वादिष्ट भोजन त्योहार के खास आकर्षण रहे। ओणम का मुख्य आकर्षण सद्या रहा, जिसमें केले के पत्ते पर

अवियल, ओलन, थोरन, एरिशेरी, सांभर, दाल, पचड़ी, किचड़ी, अचार, पापड़ और पायसम जैसे पारंपरिक शाकाहारी व्यंजन परोसे गए। स्थानीय क्लबों और सामुदायिक संगठनों ने वडमवली, उरियाडी, पुलिकली, तिरुवातिरा और थेय्यम जैसी प्रतियोगिताओं और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के जरिए उत्सव का रंग और गहरा किया। ओणम का संबंध पौराणिक राजा महाबली से माना जाता है, जिनका शासन समृद्धि, समानता और खुशहाली का प्रतीक माना जाता है। मान्यता है कि भगवान विष्णु ने उन्हें पाताल लोक भेजा, लेकिन वर्ष में एक बार अपनी प्रजा से मिलने की अनुमति दी। यही अवसर तिरुवोनम के रूप में मनाया जाता है। समय के साथ ओणम धार्मिक सीमाओं से आगे बढ़कर केरल की साझा सांस्कृतिक पहचान और पारिवारिक एकजुटता का पर्व बन गया है।

'पहनावा व्यक्तिगत पसंद का विषय, ऐसे मामलों में हस्तक्षेप नहीं होना चाहिए'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान एवं लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने बुधवार को कहा कि पोशाक व्यक्तिगत पसंद का मामला है और यह धार्मिक परंपराओं से निर्देशित होती है तथा ऐसे मामलों में कोई हस्तक्षेप नहीं होना चाहिए।

चिराग पासवान इलाहाबाद उच्च न्यायालय के उस आदेश के बारे में पूछे गए सवालों का जवाब दे रहे थे, जिसमें प्रयागराज के एक स्कूल में स्कूल की वर्दी के साथ हिजाब पहनने की अनुमति मांगने वाली एक छात्रा की याचिका खारिज कर दी गई थी। हाजीपुर से सांसद पासवान ने कहा, मैं समझ सकता हूं कि उच्च न्यायालय के फैसले से मुस्लिम समुदाय आहत महसूस कर रहा होगा। लेकिन मैं उनसे कहना चाहूंगा कि यह उच्च न्यायालय का फैसला है, जिसकी

समीक्षा उच्च न्यायिक प्राधिकार द्वारा की जा सकती है। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने 21 अगस्त के अपने आदेश में कहा था, ''हिजाब पहनना इस्लामिक आस्था का आवश्यक हिस्सा नहीं है और एक महिला के हिजाब नहीं पहनने से आस्था खतरे में नहीं पड़ जाएगी।'' पासवान ने कहा, ऐसे मामलों में सबसे अच्छा तरीका यही है कि हस्तक्षेप न किया जाए। कोई हिजाब पहनता है, तो कोई घूंघट करता है। लोगों के पहनावे पर टिप्पणी नहीं करनी चाहिए, क्योंकि यह व्यक्तिगत पसंद के साथ-साथ धार्मिक परंपराओं से भी जुड़ा होता है।

उन्होंने हाल में राज्यसभा में पहनावे को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद सुष्मिता देव और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) सांसद जॉन ब्रिटास के बीच हुए विवाद का परोक्ष रूप से उल्लेख करते हुए कहा, हमने संसद के भीतर लुंगी पहनने को लेकर दुर्भाग्यपूर्ण हंगामा देखा। मेरी पार्टी और मैं कभी भी ऐसे तंज का समर्थन नहीं करते।

इस बीच, केंद्रीय मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता गिरिराज सिंह ने अदालत के फैसले पर सीधे टिप्पणी करने से परहेज किया, लेकिन ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिममीन (एआईएमआईएम) प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी पर निशाना साधा, जिन्होंने इस फैसले को इस्लाम पर हमला बताया था।

हैदराबाद से पांच आदिवासी लड़कियों को बचाया गया, मुख्य आरोपी गिरफ्तार : ओडिशा पुलिस

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा की पांच नाबालिग आदिवासी लड़कियों को हैदराबाद से बचाया गया है। मानव तस्करी के इस मामले में मुख्य आरोपी को भी गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि लड़कियां कंध और सौरा समेत आर्थिक रूप से कमजोर आदिवासी समुदायों से ताल्लुक रखती हैं और उन्होंने पढ़ाई छोड़ दी थी। मामला तब सामने आया जब स्थानीय सरपंच ने 17 अगस्त को गजपति जिले के अडवा थाने में शिकायत दर्ज कराई कि इलाके की कई लड़कियों की मानव तस्करी की गई है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने आर. उदयगिरी के अनुमंडल पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) राकेश कुमार साहू के नेतृत्व में जांच शुरू की। पुलिस ने बताया कि जांच के दौरान लड़कियों को हैदराबाद ले जाए जाने की विश्वसनीय सूचना मिली, जिसके बाद शहर में कई स्थानों पर तलाशी ली गई और पांचों लड़कियों को बचा लिया गया। पुलिस ने बताया कि जांच में यह भी सामने आया कि लड़कियों की आधार संबंधी जानकारी में कथित तौर पर हेरफेर कर उन्हें वयस्क दिखाया गया, जिससे उनकी तस्करी को आसान बनाया जा सके।

पुलिस ने बताया कि मुख्य आरोपी राजकुमार बस्त्रे को गिरफ्तार कर लिया गया है। साहू ने संवाददाताओं से कहा, मानव तस्करी के नेटवर्क में शामिल अन्य लोगों की पहचान करने, संभावित अन्य पीड़ितों का पता लगाकर उन्हें बचाने और सभी फरार आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए जांच जारी है। उन्होंने कहा, ''इन नाबालिग लड़कियों का स्वास्थ्य, सुरक्षा और शिक्षा अब हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। हम उनका उचित पुनर्वास सुनिश्चित करने और उनके अधिकार बहाल करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।''

आंध्रप्रदेश के सात लापता मछुआरे पश्चिम बंगाल में मिले : मंत्री

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश के मंत्री किंजरापु अच्चन्नायडु ने बुधवार को कहा कि कोनासीमा जिले के पास समुद्र में जाने के बाद लापता हुए सात मछुआरे पश्चिम बंगाल में सुरक्षित मिल गए हैं। अल्लावरम मंडल के ओडलारेवु, डुम्मलापेटा और वसालाथिप्पा गांवों के ये सात मछुआरे तीन अगस्त को सुबह करीब 10 बजे मछली पकड़ने के लिए 'ओडलारेवु फिश लैंडिंग सेंटर' से निकले थे। उस दिन पूर्वाह्न करीब 11 बजे तक वे अपने परिवारों के संपर्क में रहे, जिसके बाद उनसे संपर्क टूट गया। नाव के 12 अगस्त तक लौटने की उम्मीद थी, लेकिन वह नहीं लौटी, जिसके बाद राज्य प्रशासन ने तलाशी अभियान शुरू किया।

कृषि एवं मत्स्यिकी मंत्री अच्चन्नायडु ने कहा, ''कोनासीमा ज़िले के ओडलारेवु से समुद्र में जाने के बाद लापता हुए सात मछुआरों के पश्चिम बंगाल में सुरक्षित होने की पुष्टि हुई है जिससे उनके परिवारों को बड़ी राहत मिली है।'' उन्होंने बताया कि नाव 'शंकरपुर फिशिंग हार्बर' के पास मिली और उस पर सवार सभी सात मछुआरे सुरक्षित पाए गए। अच्चन्नायडु ने कहा कि मछुआरे स्वस्थ हैं और उन्हें परिवारों से बात करने की अनुमति दी गई है। आंध्र प्रदेश सरकार उन्हें जल्द से जल्द घर वापस लाने के लिए इंतजाम कर रही है। मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने पहले ही अधिकारियों को मछुआरों की सुरक्षा के संबंध में स्थिति पर नज़र रखने, केंद्र सरकार के साथ तालमेल बिठाने, नौसेना और तटरक्षक बल के अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में रहने का निर्देश दिया था। उन्होंने कहा कि बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चलाए गए थे। अच्चन्नायडु ने कहा कि उन्होंने नाव के मालिक के भाई भवानी प्रसाद से बात की जिसने पुष्टि की कि सभी सात मछुआरे पश्चिम बंगाल में सुरक्षित हैं।

शोरूम की 'फ्रेंचाइजी' देने के नाम पर 39.53 लाख रुपये की साइबर ठगी, एक गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली पुलिस ने एक शोरूम की 'फ्रेंचाइजी' प्रदान करने के बहाने 39.53 लाख रुपये की कथित धोखाधड़ी के मामले में साइबर जालसाजों को बैंक खाते उपलब्ध कराने के आरोप में 23 वर्षीय युवक को बिहार में गिरफ्तार किया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि बिहार का रहने वाले सोनू चौधरी को शाहदरा जिला पुलिस की एक टीम ने 12 अगस्त को गिरफ्तार किया था। पुलिस के अनुसार, सुशांत जैन की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता के मुताबिक, एक नामी ब्रांड की 'फ्रेंचाइजी' के लिए ऑनलाइन खोज करते समय उन्हें एक फर्जी वेबसाइट मिली।

पुलिस ने कहा कि शिकायतकर्ता से बाद में राजेश नामक एक व्यक्ति ने संपर्क किया और खुद को 'ब्रांड' का प्रतिनिधि बताया। शाहदरा के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) राजेंद्र प्रसाद मीणा ने

बताया कि ठगों ने शिकायतकर्ता को अपनी बातों में फंसा लिया और 'फ्रेंचाइजी' प्रदान करने से संबंधित विभिन्न प्रक्रियाओं के बहाने उससे पैसे ऐंठ लिए। उन्होंने बताया कि उन्होंने आधिकारिक ईमेल के माध्यम से चालान भी भेजे और यह ईडी आधिकारिक 'फ्रेंचाइजी' जैसी लग रही थी। मीणा ने बताया कि इसपर विश्वास करते हुए, जैन ने अपने और अपने पिता के बैंक खातों से आरोपियों द्वारा दिए गए कई खातों में लगभग 39.53 लाख रुपये स्थानांतरित कर दिए।

जांच के दौरान, पुलिस ने यह देखा कि पैसा किन किन खातों में गया था और इस दौरान चौधरी की संलिप्तता का पता चला।

उन्होंने बताया कि विभिन्न खाताधारकों से बैंक खाते खरीदने और उन्हें कमीशन पर साइबर अपराधियों को उपलब्ध कराने में चौधरी की भूमिका थी।

भारतीय नागरिकता के लिए घुसपैठियों का आधार का इस्तेमाल करना चिंताजनक : उच्च न्यायालय

मुंबई/भाषा। बंबई उच्च न्यायालय ने कहा है कि विदेशी नागरिकों का सीमा पार कर अंदर आना और भारतीय नागरिकता का दावा करने के लिए धोखाधड़ी से आधार एवं पैन कार्ड जैसे दस्तावेज़ हासिल करना ''चिंताजनक'' है, तथा केंद्र को समस्या से निपटने के लिए तुरंत कदम उठाने की जरूरत है। न्यायमूर्ति ए.एस. गडकरी और न्यायमूर्ति कमल खाता की पीठ ने कहा कि यह 'पैटर्न' अलग-अलग एजेंसियों के बीच तालमेल और दस्तावेज़ों की जांच में एक गंभीर खामी को दिखाता है।

पीठ ने उल्लेख किया कि ऐसे लोगों का पता लगाकर उन्हें प्राथमिकता के आधार पर देश से बाहर भेजना जरूरी है, क्योंकि कई मामलों में ऐसे लोग देश-विरोधी गतिविधियों में भी शामिल पाए गए हैं। इसने केंद्र सरकार के संबंधित विभाग को आधार अधिनियम में आवश्यक बदलाव करने पर विचार करने का आदेश दिया, ताकि जांच एजेंसियों को ऐसे लोगों का तुरंत पता लगाने, उन्हें देश से बाहर भेजने और दुबारा आने से रोकने में मदद मिल सके। पिछले महीने दिए गए आदेश में पीठ ने कहा कि उसने ''एक चिंताजनक पैटर्न'' देखा है, जिसमें विदेशी नागरिक भारत की सीमा में घुसपैठ करते हैं, अपनी असली पहचान छिपाने के लिए धोखाधड़ी से आवश्यक दस्तावेज हासिल करते हैं और फिर भारतीय नागरिकता का दावा करने के लिए आधार कार्ड बनवा लेते हैं। पीठ ने कहा, ''यह पैटर्न अलग-अलग एजेंसियों के बीच तालमेल और दस्तावेज़ों की जांच-पड़ताल की प्रक्रियाओं में एक बड़ी खामी को दिखाता है।'' इसने कहा कि सभी राज्य और केंद्रीय एजेंसियों को प्राथमिकता के आधार पर ऐसे विदेशी नागरिकों का पता लगाने और उन्हें निर्वासित करने के लिए मिलकर प्रयास करने होंगे। अदालत ने इस बात पर भी जोर दिया कि ऐसे मामलों में जांच तय समयसीमा के भीतर पूरी होनी चाहिए, ताकि घुसपैठिए प्रक्रियाओं में देरी का फायदा न उठा सकें। पीठ ने कहा कि मानव तस्करी और सीमा पार से घुसपैठ जैसी समस्याओं की गंभीरता तथा ऐसे मामलों को जल्द हल करने की आवश्यकता को देखते हुए, सरकार के लिए इनसे निपटने की प्रक्रिया बनाना बहुत ज़रूरी है।

विधायक की गाड़ी दमकल वाहन से धुलवाने का वीडियो सोशल मीडिया पर आया सामने

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सिंगरौली/भाषा। मध्यप्रदेश के सिंगरौली में दमकल वाहन से उसके कर्मचारियों द्वारा सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के स्थानीय विधायक रामनिवास शाह के कार की कथित तौर पर धुलाई करने का वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित होने के बाद विवाद खड़ा हो गया। वीडियो में तीन कर्मचारी दमकल वाहन की पाइप से शाह की कार की धुलाई करते दिखे, जिसके बाद सोशल मीडिया पर लोग सवाल उठाने लगे कि क्या अब दमकल का यही काम रह गया है? विवाद बढ़ने के बाद विधायक शाह ने सफाई देते हुए कहा कि उनके इलाके में ट्रांसफार्मर खराब हो जाने के कारण दो दिनों से बिजली आपूर्ति बाधित थी और इसकी वजह से पानी भी नहीं आ रहा था।

उन्होंने कहा कि पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए जब नगर निगम से संपर्क किया गया तो उनकी तरफ से आसपास के सरकारी आवासीय इमारतों की टंकियों में पानी भरने के लिए पानी टैंकर की जगह दमकल की गाड़ी

भेज दी गई। शाह ने कहा कि टंकियों मे पानी भर कर दमकल के लोग जब लौट रहे थे तभी उनके वाहन चालक ने उनसे बचे हुए पानी (दमकल वाहन) से कार धोने का आग्रह किया और उन्होंने धो दिया। उन्होंने कहा कि इस घटना को नकारात्मक रूप देकर बेवजह का विवाद खड़ा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इसे इस रूप में पेश किया जा रहा है मानो गाड़ी की धुलाई के लिए विशेष रूप से दमकल टीम को बुलाया गया हो।

सिंगरौली नगर निगम के अध्यक्ष देवेश पाण्डेय ने भी विधायक के दावे की पुष्टि की और कहा कि उनके इलाके की इमारतों में पानी नहीं था, जिसकी पूर्ति के लिए नगर निगम ने पानी टैंकर के बजाय दमकल की गाड़ी भेज दी। उन्होंने कहा कि बचे हुए पानी को विधायक के चालक ने गाड़ी धोने में इस्तेमाल कर लिया, जो महज एक संयोग था।

सुसज्जित हाथी

मैसूरु दशहरा उत्सव से पहले बुधवार को वीरानाहोसाहल्ली में नागाहोले टाइगर रिजर्व के पास पारंपरिक गजपायन समारोह में भाग लेते हुए।

कर्नाटक मंत्रिमंडल में जल्द ही महिला मंत्री को शामिल किया जाएगा : डी के शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने बुधवार को कहा कि बी. नागेंद्र को मंत्रिमंडल में शामिल किया गया क्योंकि एक आधिकारिक रिपोर्ट में पाया गया था कि वह कथित वाल्मीकि निगम घोटाले में शामिल नहीं थे। शिवकुमार ने यह भी कहा कि अगले कुछ दिन में उनके मंत्रिमंडल में एक महिला मंत्री को शामिल किया जाएगा। कावेरी जल विवाद के मुद्दे पर मुख्यमंत्री ने कहा कि वह उच्चतम न्यायालय के निर्देश का पालन करेंगे।

कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम में 89 करोड़ रुपये के कथित घोटाले में नागेंद्र की संलिप्तता के आरोपों के संबंध में शिवकुमार ने कहा कि सरकार में चर्चा के बाद नागेंद्र ने पहले इस्तीफा दे दिया था और बाद में आधिकारिक रिपोर्ट में उनके घोटाले में शामिल नहीं होने की बात सामने आने के बाद उन्हें मंत्रिमंडल में शामिल किया गया। उन्होंने दावा किया, यह नागेंद्र ने नहीं किया था। शिवकुमार ने कहा कि जांच के दौरान 95 प्रतिशत धनराशि बरामद कर ली गई। 'इंडिया टुडे राउंडटेबल' कार्यक्रम के दौरान कर्नाटक मंत्रिमंडल में महिलाओं के प्रतिनिधित्व के बारे में पूछे जाने पर शिवकुमार ने कहा, हमारे मंत्रिमंडल में महिला मंत्री जरूर होंगी। कांग्रेस पार्टी महिला सशक्तीकरण के लिए प्रतिबद्ध है। शिवकुमार ने मुख्यमंत्री बनने के दो महीने बाद तीन अगस्त को मंत्रिमंडल का विस्तार किया था। उन्होंने 19 मंत्रियों को शामिल किया था, जबकि कांग्रेस ने 20 मंत्रियों के नामों की घोषणा की थी। इनमें विधान परिषद सदस्य गायत्री शांतिगौड़ा का नाम भी शामिल था।

दक्षिण पश्चिम रेलवे
निविदा सूचना सं: SWRTMYPR2026WT04
दिनांक: 20.08.2026
भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
सीआरसीसी मेक पीसीटीएम मशीन पर जोड़ हुआ टैपिंग यूनिटों का रीकंडीशनिंग/ओवरहॉलिंग कार्य और नई टैपिंग यूनिटों का आपूर्ती, एसेम्बलिंग, फिक्सिंग और कमीशनिंग कार्य। समापन की अवधि: 24 महिने	रु. 3,09,10,205/-

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि:
21.09.2026, 15:00 बजे तक
विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में कोई शुद्धीपत्र के लिए वेबसाईट को संदर्शन करते रहें
उप मुख्य इंजीनियर/ट्रैक मशीन
बेंगलूरु
PUB/405/AAF/PRB/SWR/2026-27
आसान टिकट बुकिंग, PNR स्थिति और दूसरी रेलवे सेवाओं के लिए RailOne ऐप डाउनलोड करें।
South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

दक्षिण पश्चिम रेलवे
भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:
निविदा सूचना सं: HE-TRD-2025-26-OT-31-3
दिनांक: 27.08.2026

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
हुबली मंडल पर लोडिंग/अनलोडिंग पाइंट्स के लिए सीक्वेन्शियल इंटरलॉकिंग के साथ डबल एंड हील आईसोलोटरों का प्रावधान।	रु. 61,91,786.56

निविदा सूचना सं: HE-TRD-2025-26-OT-37-3
दिनांक: 27.08.2026

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
हुबली मंडल का एलसी गेटों का इंटरलॉकिंग के लिए अतिरिक्त ट्रॉन्सफार्मर का प्रावधान।	रु. 2,04,55,859.60

उपरोक्त निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि:
18.09.2026, 11:00 बजे तक
विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में कोई शुद्धीपत्र के लिए वेबसाईट को संदर्शन करते रहें
वरिष्ठ विभागीय इलेक्ट्रिकल इंजीनियर
टीआरडी/हुबली
PUB/403/AAF/PRB/SWR/2026-27
आसान टिकट बुकिंग, PNR स्थिति और दूसरी रेलवे सेवाओं के लिए RailOne ऐप डाउनलोड करें।
South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

तेजस्वी सूर्या ने राज्यपाल से उद्यान संशोधन विधेयक लौटाने का आग्रह किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु दक्षिण से भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या ने बुधवार को कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत से उस विधेयक को पुनर्विचार के लिए राज्य विधानमंडल को लौटाने का आग्रह किया, जिसमें उद्यान की जमीन के कुछ हिस्सों का इस्तेमाल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे और उपयोगिता परियोजनाओं के लिए करने की अनुमति दी गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस कानून से राज्य के हरित क्षेत्रों में जो बदलाव होगा, उसे बाद में वापस पहले की स्थिति में लाना संभव नहीं होगा।

सूर्या के नेतृत्व में नागरिकों, वॉकर्स एसोसिएशन और पूर्व वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल से मुलाकात की और उन्हें ज्ञापन सौंपा। कर्नाटक सरकार उद्यान (संरक्षण) (संशोधन) विधेयक, 2026 को सोमवार को विधानसभा ने पारित किया। इस विधेयक का उद्देश्य 1975 के अधिनियम में संशोधन करना है। विपक्ष के विरोध के बीच राज्य विधानमंडल के दोनों सदनों ने बिना चर्चा के विधेयक को मंजूरी दे दी। विपक्ष मंत्री बी. नागेंद्र के इस्तीफे की मांग कर रहा था।

राज्यपाल को लिखे पत्र में सूर्या ने कहा कि नागरिकों, नागरिक समाज संगठनों, विशेषज्ञों और पूर्व वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों की ओर से जताई गई चिंताओं के बावजूद विधेयक को 24 अगस्त

को बिना किसी सार्थक बहस के दोनों सदनों में पारित कर दिया गया। संशोधन के तहत राज्य सरकार को सरकारी उद्यानों की जमीन का कुल क्षेत्रफल या उनमें मौजूद इमारतों के क्षेत्रफल के अधिकतम पांच प्रतिशत तक हिस्सा बिक्री, पट्टे, उपहार, अदला-बदली, रेहन (गिरवी) या अन्य किसी माध्यम से हस्तांतरित करने की अनुमति होगी। उन्होंने कहा कि यह प्रावधान सार्वजनिक उपयोगिता परियोजनाओं के लिए सरकारी विभागों, वैधानिक प्राधिकरणों, सरकारी कंपनियों और स्थानीय निकायों पर लागू होगा। ऐसे माध्यमों से पहले ही हस्तांतरित की जा चुकी जमीन को भी पांच प्रतिशत की अधिकतम सीमा में शामिल किया जाएगा।

सूर्या ने तर्क दिया कि उद्यानों की जमीन के इस्तेमाल को दूसरी परियोजनाओं के लिए देना मनमाना फैसला है। उन्होंने स्वस्थ पर्यावरण के अधिकार को लेकर भी चिंता जताई, जिसे संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जीवन के अधिकार का अभिन्न हिस्सा माना गया है।

मंत्री नागेंद्र ने इस्तीफे की खबरों को खारिज किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मंत्री बी. नागेंद्र ने मीडिया में आई, अपने इस्तीफे की पेशकश संबंधी खबरों को बुधवार को सिरे से खारिज कर दिया। इस बीच, अटकलें लगाई जा रही थीं कि योजना एवं सांख्यिकी मंत्री ने मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार से मुलाकात की है। ऐसी अफवाह थी कि नागेंद्र ने शिवकुमार से कहा कि वह पार्टी नेतृत्व को और शर्मिंदा नहीं करना चाहते और इसलिए वह बुधवार शाम तक स्वेच्छा से इस्तीफा देना चाहते हैं। नागेंद्र के कार्यालय ने उनके हवाले से एक बयान में इन खबरों को खारिज करते हुए कहा, मीडिया में अभी जो खबरें आ रही हैं, वे पूरी तरह गलत हैं। मुझे मुख्यमंत्री कार्यालय से कोई फोन नहीं आया है और इस्तीफे को लेकर कोई बातचीत नहीं हुई है। मैं आपसे सहयोग का अनुरोध करता हूं।''

विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और उसकी सहयोगी जनता दल (सेक्युलर) कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम में कथित तौर पर 89 करोड़ रुपये की अनियमितताओं को लेकर नागेंद्र को मंत्रिमंडल से हटाने की मांग कर रही हैं। विपक्ष ने विधान सौधा के अंदर और बाहर नारेबाजी एवं प्रदर्शन करके कर्नाटक विधानसभा के मानसून सत्र में बाधा डाली जिसके कारण सत्र को तय समय से तीन दिन पहले 24 अगस्त को अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिया गया।

कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम का मामला मई 2024 में निगम के लेखा अधिकारी चंद्रशेखरन पी. की आत्महत्या के बाद सामने आया।

चंद्रशेखरन ने एक नोट छोड़ा था जिसमें उन्होंने धनराशि के अनधिकृत हस्तांतरण का आरोप लगाया था। बाद में जांच में आरोप लगा कि निगम के बैंक खातों से कई अलग-अलग खातों में बड़ी रकम हस्तांतरित की गई थी जिससे राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया और नागेंद्र के इस्तीफे की मांग उठने लगी। उस समय आदिवासी कल्याण मंत्री रहे नागेंद्र ने विवाद के बीच जून 2024 में इस्तीफा दे दिया था और बाद में तीन अगस्त, 2026 को उन्हें फिर से मंत्रिमंडल में शामिल कर लिया गया।

पूर्वोत्तर रेलवे
ई-निविदा सूचना
ई-निविदा-सूचना संख्या-
एन-235-62टेली टेण्डर12-2026
उप मुख्य सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर/टेली/मुख्यालय, पूर्वोत्तर रेलवे/गोरखपुर एवं कृते भारत के राष्ट्रपति के ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिए टेण्डर प्रपत्र में अंकित निर्धारित योग्यता का पर्याप्त अनुभव रखने वाले ठेकेदारों से ई-टेन्डर आमंत्रित करते हैं। निविदा सूचना सं: एन-235-62टेली टेण्डर12-2026; कार्य का नाम: प्रोविजन ऑफ टेलिकॉम फैसेलिटी एंड ऑडियो कान्फरेन्स सिस्टम इन प्रगति कक्ष एट PCCM ऑफिस गोरखपुर, एन.ई.रेलवे। निविदा लागत: ₹24,29,146.04 (रु० चौबीस लाख उनतीस हजार एक सौ छियालीस और चार पैसे मात्र); बिड सिक्योरिटी (बयाना धनराशि): ₹48,600/- ऑफर की वैधता: 60 दिन; निविदा खोलने एवं बंद होने का तिथि तथा समय: दिनांक-24.09.2026 समय-15:30 बजे; कार्य के पूर्ण करने की अवधि: 04 (चार) माह। मूल निविदा में किसी तरह के परिवर्तन के लिए कृपया इन्टरनेट वेबसाइट पर जारी शुद्धि पत्र का अवलोकन करें। विस्तृत निविदा सूचना, निविदा प्रपत्र, योग्यता मापदण्ड, नियम एवं शर्तें वेबसाइट http://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध हैं। नोट: निविदादाता/बिडर को अपने बिड के साथ सभी निर्दिष्ट संलग्नों/फॉर्मेट/अनुलग्नक को अपलोड करना होगा।
उप मुख्य सिग. एवं दूर. इंजी./टेली/मुजाधि/सिग्नल-107 मुख्यालय, गोरखपुर
ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

ज्वेलरी पार्क

बेंगलूरु में बुधवार को कर्नाटक ज्वेलरी एसोसिएशन के सदस्य, काउंसिल सदस्य और एसोसिएशन के अध्यक्ष टी. ए. सरवण के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल ने मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार से मुलाकात की और ज्वेलरी पार्क बनाने के लिए ज़मीन देने के लिए निवेदन किया। उनकी रिक्वेस्ट पर, मुख्यमंत्री ने साउथ बेंगलूरु में एक इंटरनेशनल स्टैंडर्ड का ज्वेलरी पार्क बनाने का भरोसा दिया।

अदालत ने फिल्म 'टॉक्सिक' के खिलाफ झूठी सामग्री के प्रकाशन पर अस्थायी रोक लगाई

बेंगलूरु। बेंगलूरु की एक अदालत ने अभिनेता यश अभिनीत फिल्म 'टॉक्सिक' के खिलाफ किसी भी झूठी या मानहानिकारक सामग्री के प्रकाशन या प्रसार पर एकतरफा अस्थायी रोक लगा दी है। फिल्म बुधवार को रिलीज हुई। अतिरिक्त सिटी सिविल एवं सत्र अदालत ने फिल्म की निर्माता कंपनी केवीएन प्रोडक्शंस एलएलपी द्वारा विभिन्न पक्षों के खिलाफ दायर मुकदमे पर 22 अगस्त को यह अंतरिम आदेश पारित किया। मामले में एक्स कॉर्प समेत कई पक्षों को प्रतिवादी बनाया गया है। इसमें जॉन डो' नाम से अज्ञात लोगों को भी पक्षकार बनाया गया है।

न्यायाधीश ने आदेश में कहा, ''वादी द्वारा पेश किए गए सभी दस्तावेजों के अवलोकन से मुझे प्रथम दृष्टया मामला वादी के पक्ष में और सुविधा का संतुलन भी वादी के पक्ष में नजर आता है। यदि अस्थायी रोक नहीं दी गई तो मुकदमा दायर करने का उद्देश्य ही विफल हो जाएगा और इससे कई मुकदमों की स्थिति पैदा हो सकती है...।''

आदेश में कहा गया, ''अतः प्रतिवादियों को फिल्म टॉक्सिक' के संबंध में किसी भी तरह की झूठी, दुर्भावनापूर्ण, मानहानिकारक या अपमानजनक खबर या सामग्री को किसी भी माध्यम से संप्रेषित, प्रकाशित या प्रसारित करने, साझा या पोस्ट करने या उस तक पहुंच उपलब्ध कराने से रोकने के लिए एकतरफा अस्थायी रोक लगायी जाती है। यह रोक फिल्म की रिलीज से पहले और बाद, दोनों अवधि के लिए होगी।'' अदालत ने कहा कि अस्थायी रोक अगली सुनवाई की तारीख यानी 28 सितंबर तक ही प्रभावी रहेगी।

निर्माता ने दीवानी प्रक्रिया संहिता के आदेश 39 के नियम 1 और 2 के तहत आवेदन दायर कर अज्ञात व्यक्तियों समेत प्रतिवादियों के खिलाफ एकतरफा अस्थायी रोक की मांग की थी। अदालत ने कर्नाटक उच्च न्यायालय के मीरा अजीत बनाम जॉन डो उर्फ 'अशोक कुमार' मामले में दिए गए फैसले का भी हवाला दिया। उस मामले में कहा गया था कि यदि वादी के सामने वास्तविक खतरा हो और प्रथम दृष्टया मामला बनता हो तो अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ भी रोक संबंधी आदेश जारी किया जा सकता है।

पुरस्कार

बेंगलूरु के लालबाग बॉटनिकल गार्डन में कर्नाटक सरकार के बागवानी विभाग द्वारा आयोजित 220वीं लालबाग बागवानी प्रदर्शनी 'गंगा साम्राज्य की शान' थीम में केम्पापुरा, हेब्बाल स्थित अपार्टमेंट कॉम्प्लेक्स 'प्रेस्टीज मिस्टी वाटर्स-विस्टा टॉवर' ने 'छोटे बगीचे' (स्मॉल गार्डन) श्रेणी की प्रतियोगिता में पुरस्कार जीता है। यह पुरस्कार बेहतरीन प्लानिंग, लगातार देखभाल और रिहायशी इलाके में सुंदर, टिकाऊ और आकर्षक ग्रीन स्पेस बनाने के लिए दिया गया।

आरएसएस के खिलाफ कोई मामला दर्ज नहीं : प्रियंक खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के गृह मंत्री प्रियंक खरगे ने कहा है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के खिलाफ सांप्रदायिक दंगों या अन्य अपराधों का कोई मामला दर्ज नहीं किया गया है। खरगे ने यह बयान विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी के सवाल के लिखित जवाब में दिया। नारायणस्वामी ने आरएसएस के खिलाफ दर्ज मामलों, सांप्रदायिक दंगों में उसकी संलिप्तता और उसके पथसंचलन तथा दैनिक शाखाओं के दौरान सामने आई किसी भी अप्रिय घटना का ब्योरा मांगा था। खरगे ने कहा, कोई मामला दर्ज नहीं है। आरएसएस के मुखर आलोचक खरगे को घेरने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने उनके इस जवाब को मुद्दा बना लिया। खरगे संगठन की कानूनी स्थिति से जुड़े मुद्दों को लगातार उठाते रहे हैं। खरगे ने भी इस मामले को लेकर विपक्ष पर पलटवार किया है।

नारायणस्वामी ने खरगे के लिखित जवाब को 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए कहा, दस्तावेज खुद सच्चाई बयां कर रहे हैं: आरएसएस के खिलाफ गृह मंत्री की राजनीतिक दुश्मनी उजागर हो गई है! उन्होंने कहा, गृह मंत्री प्रियंक खरगे लगातार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के खिलाफ नफरत, ईर्ष्या और दुश्मनी की राजनीति करते रहे हैं। देशभक्ति को अपना मार्गदर्शक सिद्धांत मानने वाले संगठन आरएसएस के खिलाफ अब उनके ही विभाग के आधिकारिक रिकॉर्ड सामने आ गए हैं। विपक्ष के नेता ने खरगे से सवाल किया कि जब उनके अपने विभाग ने आधिकारिक तौर पर कहा है कि आरएसएस के खिलाफ कोई मामला दर्ज नहीं है और किसी अप्रिय घटना का भी कोई रिकॉर्ड नहीं है, तो वे आरएसएस के खिलाफ राजनीतिक

दुश्मनी क्यों जारी रखे हुए हैं?

उन्होंने पूछा, राज्य के गृह विभाग की जिम्मेदारी संभालने वाले व्यक्ति के तौर पर कानून-व्यवस्था जैसे गंभीर मुद्दों पर ध्यान देने के बजाय आप आरएसएस को निशाना बनाकर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप में क्यों लगे हुए हैं? जब राज्य कई गंभीर कानून-व्यवस्था की चुनौतियों का सामना कर रहा है, तब आपका ध्यान आरएसएस के खिलाफ राजनीतिक दुश्मनी पर क्यों केंद्रित है? उन्होंने कहा, आपके विभाग और आपके अपने जिले (कलबुरगी) में हजारों समस्याएं हैं। पहले उन्हें सुलझाने पर ध्यान दें। पूर्व मंत्री और भाजपा विधायक सुनील कुमार ने दिसंबर 2025 में तत्कालीन गृह मंत्री जी. परमेश्वर द्वारा विधानसभा में दिए गए इसी तरह के जवाब और खरगे के विधान परिषद में दिए जवाब का हवाला देते हुए कहा, दो गृह मंत्री, एक संगठन! प्रियंक खरगे, आरएसएस के खिलाफ दिन-रात नफरत उगलने वाले गृह मंत्री, यह देखिए कि आपने विधान परिषद में संगठन के बारे में क्या लिखा है। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए कहा, कांग्रेस के नेता चाहे कितने भी झूठ बोल लें, आप आरएसएस के मूल्यों और संस्कृति को बदनाम नहीं कर सकते।

पारिवारिक कलह में मां ने तीन बेटियों और दो बेटों सहित झील में कूदकर जान दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

विजयपुरा। कर्नाटक के विजयपुरा जिले के आदर्श नगर पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में आने वाली भूतानाला झील में छह लोगों की मौत की जानकारी सामने आई है। 24 अगस्त को विजयपुरा ग्रामीण पुलिस स्टेशन में लापता बच्चों और महिला के मामले में केस दर्ज किया गया था। तोरवी शांति नगर के रहने वाले शिकायतकर्ता मल्लिकार्जुन ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उसकी पत्नी शोभा घर से चली गई है। बताया गया कि घर से निकलने से पहले किसी बात को लेकर उससे कहासुनी हुई थी। शिकायतकर्ता की लापता पत्नी शोभा और पांच बच्चों के शव आदर्श नगर पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में आने वाली भूतानाला झील में मिले। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस की ओर से घटनास्थल का निरीक्षण किया गया, शवों को बाहर निकालकर बीएलडीई अस्पताल भेजा गया और घटना की गहन जांच चल रही है।

मृतकों में मल्लिकार्जुन जलागेरी की पत्नी 35 वर्षीय शोभा, 15 वर्षीय बेटी विद्या, 13 वर्ष की सुवर्णा, 12 वर्ष का बेटा टिप्पराया, 10 वर्ष की बेटी सानिका और 6 वर्ष का बेटा विकास शामिल है। वहीं, हाल ही में 11 अगस्त को नीट की तैयारी कर रही छात्रा की आत्महत्या के कुछ हफ्ते बाद अब उसके बड़े भाई का शव भी होटल के कमरे में फंदे से लटका मिला। मृतक की पहचान 24 वर्षीय अर्जुन महेश के रूप में हुई थी।

दुबई से मुंह में सोना छिपाकर ले जाते हुए पकड़ा गया

बेंगलूरु। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के जवानों ने बुधवार को दुबई से लौटे एक भारतीय यात्री को बेंगलूरु हवाईअड्डे पर मुंह में कथित तौर पर 82 ग्राम सोने से भरे कैप्सूल छिपाकर ले जाते हुए पकड़ा। सीआईएसएफ के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि यह गिरफ्तारी केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के टर्मिनल-1 पर सुबह करीब 7:30 बजे हुई, जब एक पुरुष यात्री गाजियाबाद जाने वाली उड़ान में सवार होने के लिए सुरक्षा जांच की प्रक्रिया से गुजर रहा था। उन्होंने बताया कि यह यात्री तड़के दुबई से आए एक विमान से बेंगलूरु पहुंचा था। अधिकारी के मुताबिक, यात्रियों की नियमित सुरक्षा जांच के दौरान सीआईएसएफ कर्मियों ने देखा कि यात्री संदिग्ध तरीके से व्यवहार कर रहा था और सवालों का ठीक से जवाब नहीं दे रहा था।

उन्होंने बताया कि यात्री के मुंह में दो कैप्सूल मिले, जिनमें लगभग 82 ग्राम संदिग्ध सोना छिपाकर रखा गया था। अधिकारी के अनुसार, संबंधित व्यक्ति को गिरफ्तार कर आगे की जांच के लिए स्थानीय पुलिस को सौंप दिया गया। उन्होंने बताया कि कैप्सूल में छिपाकर रखे गए संदिग्ध सोने को शुद्धता की जांच के लिए भेजा गया है।

दक्षिण पश्चिम रेलवे
भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:
ई-निविदा सूचना सं: Y/E.29/2026-27/77
दिनांक: 20.08.2026

Description of work	Approx. Value
1) चिकमगलूर में अधिकारियों का विश्राम गृह में ग्रीन बिल्डिंग कॉन्सेप्ट के अनुसार 2 अतिरिक्त सुइट्स बनाना। 2) तालगुप्पा में ग्रीन बिल्डिंग कॉन्सेप्ट के अनुसार नया अधिकारियों का विश्राम गृह (2 सुइट) बनाना।	Rs. 22,85,589.84

ई-निविदा सूचना सं: Y/E.29/2026-27/78
दिनांक: 20.08.2026

Description of work	Approx. Value
(पुनर-निविदा) पांडवपुरा और श्रीरंगपट्टनम : पांडवपुरा में पीएफ-1 पर सामान्य निरीक्षण रूम, पीएफ-2 पर शौचालय ब्लॉक, पीएफ-1 और 2 पर पूरी लंबाई का पीएफ शेल्टर बनाना और श्रीरंगपट्टनम में निरीक्षण रूम और पार्किंग का विकास करना।	Rs. 88,47,623.96

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि:
11.09.2026, 11:00 बजे तक
विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में
वरिष्ठ विभागीय इलेक्ट्रिकल इंजीनियर
सामान्य/मैसूरु
PUB/406/AAF/PRB/SWR/2026-27
आसान टिकट बुकिंग, PNR स्थिति और दूसरी रेलवे सेवाओं के लिए RailOne ऐप डाउनलोड करें।
South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

दक्षिण पश्चिम रेलवे
निविदा सूचना सं: B-SG-CN-BNC-SNT-LC-Closure, दिनांक: 22.08.2026
भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
बेंगलूरु (एसबीसी) और मैसूरु (एमवायएस) मंडल पर आरओबी / आरयूबी कार्यों के बदले तुमकूरु - मल्लसंद्रा (टीके-एमएलएसए) स्टेशनों के बीच एलसी नं. 46, गुब्बी - निट्टूरु (जीबीबी-एनटीआर) स्टेशनों के बीच एलसी नं. 58, निट्टूर स्टेशन यार्ड पर नं. 59, तिपटूर - होन्नवल्ली रोड (टीटीआर-एचवीएल) स्टेशनों के बीच एलसी नं. 86, तुमकूरु - अरसीकेरे (टीके-एएसके) खंड के बीच एलसी नं. 88, नागवंगला - अज्जमपुर (एनवीपी-एजेपी) स्टेशनों के बीच एलसी नं. 138, क्यातसंद्रा - निडवंदा (केआईएटी-एनडीवी) स्टेशनों के बीच एलसी नं. 35, क्यातसंद्रा - तुमकूरु (केआईएटी-टीके) स्टेशनों के बीच एलसी नं. 38 और मुलुगूर - चाकर्लपल्ली (एमएलयू-सीपीएल) स्टेशनों के बीच एलसी नं. 71 में इंटरलॉक्ड एलसी गेटों (ट्रैफिक / इंजीनियरिंग) को बंद करना।	रु. 5,76,94,389.40

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि:
21.09.2026, 15:00 बजे तक
विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में
उप मुख्य सिग्नल व दूरसंचार इंजीनियर/निर्माण/
बेंगलूरु छावनी
PUB/412/AAMO/PRB/SWR/2026-27
आसान टिकट बुकिंग, PNR स्थिति और दूसरी रेलवे सेवाओं के लिए RailOne ऐप डाउनलोड करें।
South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

देश को बांटने वाले बयान दे रहे राहुल गांधी : शेखावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी को भारत की हजारों साल पुरानी संस्कृति, सभ्यतागत चेतना, वेदों, पुराणों और उपनिषदों की कितनी जानकारी है, उनकी जानकारी के इस उथलेपन और उन्होंने मनुस्मृति पर दिए गए अपने बयान से स्वयं स्पष्ट कर दिया है। बुधवार को मीडिया से बातचीत में शेखावत ने कहा कि किसी भी ऐतिहासिक या सांस्कृतिक विषय पर उसके मूल संदर्भ और तत्कालीन परिस्थितियों को समझे बिना टिप्पणी करना या अपने राजनीतिक लाभ के लिए उसे तोड़-मरोड़ कर पेश करना सर्वथा अनुचित और निंदनीय है। उन्होंने कहा कि भारत की सभ्यतागत चेतना और सांस्कृतिक मान-बिंदुओं के प्रति जन-आस्था को प्रदूषित करने तथा हमारे गौरवशाली इतिहास को नीचा दिखाने के लिए पिछले लगभग 200 वर्षों में कई सुनियोजित प्रयास हुए। अंग्रेजों ने जानबूझकर यह काम किया। स्वतंत्रता के बाद जब हमारे पास अवसर था कि हम अपने इतिहास और सांस्कृतिक मान-बिंदुओं को सही करते, तब राहुल गांधी के पूर्वजों के शासनकाल में इसे सुधारने के बजाय और अधिक गति से हमारी सभ्यतागत चेतना को दूषित करने का कार्य किया गया। आज भी उसी मानसिकता के साथ देश को बांटने वाले बयान दिए जा रहे हैं। शेखावत ने कहा कि भारत वह समाज और सभ्यता है, जिसने मातृशक्ति को 'इंस्टीट्यूशनलाइज्ड रिस्पेक्ट' दिया है। जहां ज्ञान के लिए मां सरस्वती, शक्ति के लिए मां दुर्गा और धन-समृद्धि के लिए मां महालक्ष्मी की पूजा की जाती है। जहां गार्गी, मैत्रेयी और कात्यायनी जैसी महान विदुषी स्त्रियां हुई हों, उस महान समाज और व्यवस्था के विषय में इस प्रकार की अनर्गल टिप्पणी करना न केवल अशोभनीय व निंदनीय है, बल्कि यह उनके ज्ञान के उथलेपन को भी उजागर करता है।

जयपुर में नकली नोटों की बरामदगी और कांग्रेस नेता के पुत्र का नाम आने के सवाल पर शेखावत ने कहा कि देश में और देश के बाहर बैठी भारत-विरोधी ताकतें, जिन्हें भारत की अर्थव्यवस्था की प्रगति और इसकी तेज गति पच नहीं रही है, वे इस तरह के षड्यंत्र और राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों में लिप्त हैं। हमारी सरकार पूर्ण सजगता के साथ ऐसी हर गतिविधि, अपराध और प्रयास को रोकने के लिए तत्परता से काम कर रही है। शेखावत ने कहा कि जयपुर में जो नकली नोटों की खेप पकड़ी गई है, उसकी पुलिस द्वारा शुरुआत से अंत तक गहन जांच होनी चाहिए। इसका मुख्य स्रोत क्या है? ये नोट कहां प्रिंट हुए और इनका सप्लायर कौन है? ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति को पूरी तरह रोका जा सके।

शेखावत ने कहा कि चुनाव के इस संवेदनशील माहौल में यदि कांग्रेस पार्टी के किसी जिम्मेदार कार्यकर्ता या राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े परिवार के बच्चों के पास से इतनी बड़ी खेप बरामद होती है तो यह और भी अधिक चिंताजनक विषय है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सार्वजनिक और सामाजिक जीवन में काम करने वाले लोगों को निश्चित रूप से अधिक जिम्मेदारी और शुचिता के साथ आचरण करना चाहिए। राजस्थान कांग्रेस के शीर्ष नेताओं को भी इस गंभीर घटना और बरामदगी पर अपना रुख व स्पष्टीकरण देश और प्रदेश की जनता के सामने अवश्य रखना चाहिए।

शेखावत ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी प्रचंड बहुमत से जोधपुर और राजस्थान के लगभग सभी निकायों में विजय हासिल करने वाली है। डबल इंजन सरकार ने पिछले ढाई वर्षों में जिस तरह से काम किया है, उसे देखते हुए मैं पूरे भरोसे के साथ कह सकता हूं कि पार्टी निकाय चुनाव में एक बार फिर नया कीर्तिमान स्थापित करते हुए अपना परचम फहराएगी। निकाय चुनाव में दावेदारों की अधिक संख्या पर उन्होंने कहा कि स्थानीय निकाय के चुनाव में निश्चित रूप से दावेदार अधिक होते हैं। दावेदारों की संख्या अधिक होना लोकतंत्र के प्रति और लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति लोगों की आस्था को दर्शाता है। साथ ही, पार्टी में क्षमतावान कार्यकर्ताओं की संख्या जिस तरह से बढ़ रही है, इसे बहुत सकारात्मक दृष्टिकोण से देखा जाना चाहिए। युवाओं को टिकट देने को लेकर पूछे सवाल पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि नगर निकाय के चुनाव में हमेशा ही युवाओं को अधिक अवसर मिलता है। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष 46 साल के हैं। ऐसे में मुझे लगता है कि भाजपा में युवाओं को अधिक मौका देने को लेकर यह प्रश्न अब बेईमानी हो गया है।

आरजीएचएस में दवा वितरण में लापरवाही पर 215 निजी फार्मेसी के खिलाफ कार्रवाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने राजस्थान सरकार स्वास्थ्य योजना (आरजीएचएस) में दवा वितरण में लापरवाही पर 215 निजी फार्मेसी के खिलाफ कार्रवाई की है। अधिकारियों ने बताया कि इन फार्मेसी की लेनदेन प्रबंधन प्रणाली (टीएमएस) को अस्थायी रूप से बंद किया गया है। विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने बताया कि आरजीएचएस में दवा वितरण व्यवस्था की लगातार निगरानी की जा रही है। उन्होंने कहा कि लंबे समय से दवा उपलब्ध नहीं कराने वाली फार्मेसी को स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने का अवसर दिया गया था। उन्होंने कहा कि असंतोषजनक उत्तर तथा कारण बताओ नोटिस का उत्तर प्रस्तुत करने में विफल रहने के कारण संबंधित फार्मेसियों का टीएमएस निलंबित किया गया है।

उन्होंने कहा कि इसके तहत जयपुर में सर्वाधिक 39 फार्मेसी का टीएमएस अस्थायी रूप से बंद किया गया है। उन्होंने कहा कि लाभार्थियों को दवा प्राप्त करने में हो रही परेशानी को देखते हुए यह कार्रवाई फार्मेसी में अनुशासन स्थापित करने एवं योजना के दिशा-निर्देशों के प्रभावी अनुपालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से की गई है। आरजीएचएस की परियोजना अधिकारी डॉ. निधि पटेल बताया कि अलवर एवं सीकर में 20-20, भरतपुर, चूरू एवं दौसा में 10-10, अजमेर में 9, झुंझुनूं एवं श्रीगंगानगर में 8-8, जोधपुर एवं कोटा में 7-7, हनुमानगढ़ एवं पाली में 6-6, बारां, कोटपूतली-बहरोड़ में 5-5, डीग, खैरथल-तिजारा एवं टोंक में 4-4, डीडवाना-कुचामन, नागौर एवं उदयपुर में 3-3 तथा ब्यावर, भीलवाड़ा, बूंदी, चित्तौड़गढ़, धौलपुर, जैसलमेर, जालोर एवं करौली में 2-2 फार्मेसियों पर कार्रवाई की गई है।

उन्होंने बताया कि इसी प्रकार बालोतरा, बाड़मेर, बीकानेर, झालावाड़, सवाई माधोपुर एवं सिरोही में 1-1 फार्मेसी का टीएमएस अस्थायी रूप से बंद किया गया है।

उन्होंने बताया कि राजस्थान के बाहर स्थित दिल्ली एवं गुरुग्राम में भी 1-1 फार्मेसी पर कार्रवाई की गई है। उन्होंने बताया कि आरजीएचएस का उद्देश्य पात्र लाभार्थियों को आवश्यक दवाइयां समय पर और सुचारु रूप से उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि दवा वितरण में लापरवाही अथवा अनावश्यक विलंब को गंभीरता से लिया जा रहा है।

उदयपुर के बाहरी इलाके में तेंदुए के हमले में तीन ग्रामीण घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उदयपुर। उदयपुर के उमरड़ा खेड़ा गांव में तेंदुए के हमले में तीन ग्रामीण घायल हो गए। उमरड़ा खेड़ा के पूर्व सरपंच गोपाल मीणा ने बताया कि सुबह लगभग छह बजे जब ग्रामीण अपने घरों से निकले तो एक तेंदुए ने उन पर हमला कर दिया। घायलों की पहचान जग्गा (60), रितेश (20) और कालू (40) के रूप में हुई है। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है।

मीणा ने कहा कि घायलों के शोर मचाने और अन्य ग्रामीणों के मौके पर पहुंचने के बाद तेंदुआ भाग गया। ये घर पहाड़ी इलाके में होने के कारण ग्रामीण घायलों को खाट पर रखकर सड़क तक लाए जहां से उन्हें इलाज के लिए उदयपुर के अस्पताल ले जाया गया। मीणा ने बताया कि मंगलवार शाम भी एक तेंदुए ने लोगर लाल मीणा (45) पर हमला किया था। चिल्लाने पर जानवर भाग गया।

लोगर लाल के सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में चोटें आईं और उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। तेंदुए की मौजूदगी की सूचना मिलने पर वन विभाग की एक टीम मौके पर पहुंची। ग्रामीणों ने मांग की है कि वन विभाग इलाके में पिंजरा लगाए और तेंदुए की गतिविधियों पर नजर रखे।

श्रीनगर जेल से फरार दो विचाराधीन कैदी राजस्थान में गिरफ्तार

श्रीनगर/जयपुर। श्रीनगर के केंद्रीय कारागार से इस सप्ताह की शुरुआत में कथित तौर पर फरार हुए दो विचाराधीन कैदियों को राजस्थान से गिरफ्तार कर लिया गया। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ये दोनों आरोपी यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम मामले के तहत जेल में बंद थे। अधिकारियों ने बताया कि राजस्थान निवासी फरमान खान और अनंतनाग जिले के निवासी मुख्तार अहमद गुर्जर को खान के पैतृक शहर राजस्थान के सदनपुरा से गिरफ्तार किया गया।

उन्होंने बताया कि दोनों को पॉक्सो अधिनियम के तहत अलग-अलग मामलों में गिरफ्तार किया गया था और आरोप है कि वे रविवार को श्रीनगर के केंद्रीय कारागार से फरार हो गए थे। अधिकारियों के अनुसार, खान के खिलाफ गांदरबल जिले के लार थाने में पॉक्सो अधिनियम की धारा तीन व चार के तहत मामला दर्ज है जबकि गुर्जर के खिलाफ श्रीनगर के सौरा थाने में भी इन्हीं धाराओं के तहत मामला दर्ज है।

नीट अभ्यर्थी ने की आत्महत्या, इस साल आठवां मामला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट की तैयारी कर रही मध्यप्रदेश की 20 वर्षीय छात्रा ने कोटा में अपने किराये के फ्लैट में पंखे से फंदा लगाकर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मृतका की पहचान खुशबू पटेल के रूप में हुई है और वह दूसरी बार राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) की तैयारी कर रही थी। इसने बताया कि कोटा में ही कोचिंग ले रही उसकी छोटी बहन मंगलवार रात को जब कुन्हाड़ी थाना क्षेत्र के लैंडमार्क सिटी स्थित अपने फ्लैट में लौटी तो उसने खुशबू को फंदे से लटका हुआ पाया। पुलिस ने बताया कि मौके से कोई 'सुसाइड नोट' नहीं मिला है और छात्रा ने यह कदम क्यों उठाया, इसका सटीक कारण अभी पता नहीं चल पाया है। हालांकि, बताया जा रहा है कि खुशबू पिछली बार नीट-यूजी परीक्षा में लगभग 450 अंक आने के बाद तनाव में थी।

पुलिस के अनुसार, उसकी बहन खुशी पटेल कोटा में ही जेईई परीक्षा की तैयार कर रही है और मंगलवार रात लगभग नौ बजे जवाहर नगर में कक्षाएं खत्म होने के बाद वह अपने फ्लैट पर लौटी और उसने देखा कि दरवाजा अंदर से बंद था। पुलिस ने बताया कि बार-बार दरवाजा खटखटाने के बावजूद जब कोई जवाब नहीं मिला तो उसने दोस्तों, सुरक्षाकर्मी और पड़ोसियों से मदद मांगी। इसके बाद ताला खोलने वाले व्यक्ति को बुलाया गया और दरवाजा खोला गया। अंदर खुशबू फंदे से लटकी मिली।

पुलिस के अनुसार उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। क्षेत्रीय पुलिस अधिकारी देवेश भारद्वाज ने बताया कि खुशबू दूसरी बार नीट की परीक्षा की तैयारी कर रही थी और पिछले प्रयास में मिले अंकों को लेकर कथित तौर पर तनाव में थी।

सहायक उपनिरीक्षक अनिल कुमार ने भी पुष्टि की कि मौके से कोई 'सुसाइड नोट' बरामद नहीं हुआ। पुलिस ने खुशबू के दादा देशराज पटेल की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया है। बुधवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। मामले की जांच जारी है। अधिकारियों ने बताया कि किराये के फ्लैट में छत पर लगा पंखा 'एंटी-हैंगिंग डिवाइस' से लैस नहीं था। कोटा छात्रावास संघ के दिशानिर्देशों के तहत छात्रावास के कमरों में ऐसे उपकरण लगाना अनिवार्य है।

निकाय चुनाव में अनुपस्थित रहने वाले कार्मिकों के विरुद्ध नियमानुसार होगी दण्डात्मक कार्रवाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर,। नगरीय निकाय आम चुनाव-2026 के लिए नियुक्त मतदान दलों का प्रथम चरण का प्रशिक्षण बुधवार, 26 अगस्त 2026 से प्रारंभ किया गया। जयपुर शहर में 4 एवं ग्रामीण क्षेत्र में 10 स्थानों पर आयोजित किए जा रहे प्रशिक्षण कार्यक्रम में मतदान दलों को निर्वाचन प्रक्रिया, मतदान कार्य एवं विभिन्न प्रपत्रों के संधारण सहित निर्वाचन संबंधी आवश्यक जानकारी दी जा रही है। जिला निर्वाचन अधिकारी (म्यूनिसिपल) एवं जिला कलक्टर जयपुर संदेश नायक द्वारा जयपुर शहर के प्रशिक्षण स्थलों महात्मा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ गवर्नेंस एंड सोशियल साइंसेज, पोद्दार इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, एचआरडीसी एवं आईजीपीआरएस में प्रशिक्षण व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी ने सभी मतदान दलों के कार्मिकों से ईवीएम से मतदान प्रक्रिया की सम्पूर्ण जानकारी प्राप्त करने के साथ-साथ स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं भयमुक्त वातावरण में नगरीय निकाय चुनावों को संपन्न कराने के लिए किसी भी प्रकार की कोताही न बरतने के निर्देश प्रदान किए हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी ने प्रशिक्षण में अनुपस्थित रहने वाले कार्मिकों को ताकिद कर निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्रशिक्षण प्राप्त करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि निर्वाचन कार्य में नियुक्त सभी कार्मिकों द्वारा प्रशिक्षण को गंभीरता से लेते हुए मतदान प्रक्रिया एवं अपने दायित्वों की पूर्ण जानकारी प्राप्त करना सुनिश्चित किया जाए। अनुपस्थित रहने वाले कार्मिकों के विरुद्ध नियमानुसार आवश्यक दण्डात्मक कार्रवाई की जाएगी।

प्रशिक्षण के दौरान उपस्थित मास्टर ट्रेनर्स द्वारा मतदान प्रक्रिया की पूरी जानकारी दी गई। पीआरओ तथा पीओ प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय के दायित्वों के साथ-साथ बैलेट, टेण्डर वोट, सिलिंग, पोस्टल बैलेट, मॉक पोल, पीआरओ डायरी विभिन्न प्रकार के प्रपत्रों को सही ढंग से भरने एवं संधारित करने संबंधी जानकारी भी प्रदान की गई।

किरोड़ीलाल स्वाइन फ्लू से संक्रमित

जयपुर। राजस्थान के कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा स्वाइन फ्लू से संक्रमित पाए गए हैं और उन्हें इलाज के लिए जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल की गहन चिकित्सा इकाई में भर्ती कराया गया है। अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि कुछ दिन पहले मीणा की स्वाइन फ्लू की जांच कराई गई थी। रिपोर्ट में संक्रमित पाए जाने के बाद उन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। उन्हें मंगलवार देर रात आईसीयू में भर्ती कराया गया।

संक्रमण को देखते हुए चिकित्सकों ने मंत्री को आगंतुकों और परिवार के सदस्यों से मिलने से बचने की सलाह दी है। सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. दीपक माहेश्वरी ने बताया कि मीणा का स्वाइन फ्लू प्रोटोकॉल के तहत उपचार किया जा रहा है।

सिर्फ नफरत की राजनीति कर सकती है भाजपा : टीकाराम जूली

जयपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने राज्य की भारतीय जनता पार्टी सरकार पर जोरदार हमला बोलते हुए आगामी नगरीय निकाय चुनावों को लेकर सीधी चुनौती दी है। जूली ने कहा कि अगर प्रदेश सरकार ने वास्तव में कोई काम किया है, तो बीजेपी नेता आगामी निकाय चुनावों में अपने काम के आधार पर जनता से वोट मांगकर दिखाएं न कि हिंदू-मुस्लिम की वैमनस्य भरी राजनीति का सहारा ले जिसके लिए वो जानी जाती है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि आज प्रदेश में शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाओं की स्थिति अत्यंत दयनीय हो चुकी है। सरकारी अस्पतालों में व्यवस्थाएं ठप्प हैं और शिक्षण संस्थानों का बुरा हाल है। बेरोजगार युवाओं को भत्ता तक कई महीनों से नहीं मिल रहा है। जिन लोक-कल्याणकारी नीतियों और सुविधाओं का लाभ आम जनता को सहजता से मिल रहा था, उन्हें प्रशासनिक अनदेखी के कारण बदहाल कर दिया गया है।

जूली ने तीखा प्रहार करते हुए कहा कि आज आम जनता अपने बुनियादी अधिकारों और समस्याओं के समाधान के लिए बीजेपी नेताओं को ढूंढ रही है, लेकिन वो पूरी तरह गायब रहे हैं और अब चुनाव नज़दीक देखकर वापस नज़र आने लगे हैं। स्थिति यह बन चुकी है कि जनता अब जगह-जगह सवाल पूछ रही है कि इतने समय से भाजपा की सरकार होने के बावजूद टूटी फूटी सड़क, सीवर, गन्दगी, बंद स्ट्रीट लाइटों जैसी समस्याएं हैं और कोई सुनवाई नहीं हो रही है। कहने को हर जगह भाजपा नेता डबल इंजन-डबल इंजन की रट लगाते हैं लेकिन समस्याओं का समाधान नहीं होता है।

नियमों के उल्लघंन के आरोप में फर्टिलिटी अस्पताल के नौ केंद्रों का पंजीकरण निलंबित

जयपुर। राजस्थान के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने 'सहायक प्रजनन तकनीक (एआरटी) और सरोगेसी' सेवाओं के नियमन में उल्लघंन के आरोप में निजी क्षेत्र के एक फर्टिलिटी अस्पताल के नौ केंद्रों का पंजीकरण निलंबित कर दिया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने कहा कि राज्य में सहायक प्रजनन तकनीक (एआरटी) और सरोगेसी सेवाओं को नियंत्रित करने वाले प्रावधानों के प्रथम दृष्टया उल्लंघन सामने आने के बाद सोमवार को यह कार्रवाई की गई। उन्होंने कहा कि 'नीलकंठ फर्टिलिटी एंड वूमेन केयर हॉस्पिटल' के अधीन संचालित एआरटी क्लिनिक, एआरटी बैंक एवं सरोगेसी क्लिनिक के कुल नौ पंजीकरण प्रमाण-पत्रों को तत्काल प्रभाव से अग्रिम आदेशों तक निलंबित कर दिया है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रधान सचिव गायत्री राठौड ने बताया कि यह कार्रवाई एआरटी (रेग्युलेशन) एक्ट, 2021 के प्रावधानों के उल्लंघन पर की गई है। उन्होंने कहा कि एक अंग्रेजी समाचार पत्र के जयपुर संस्करण में प्रकाशित आईवीएफ, प्रजनन और टेस्ट-ट्यूब बेबी सेवाओं के विज्ञापन में शिशु के नीले रंग के जूते दिखाए गए थे।

न्यायमूर्ति संदीप मेहता का सीजेआई को राजस्थान उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश के खिलाफ पत्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली/जयपुर। उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश संदीप मेहता ने राजस्थान उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश संजीव प्रकाश शर्मा पर अदालत में गंभीर प्रशासनिक अनियमितताओं और मामलों को चुनिंदा रूप से सूचीबद्ध किए जाने के आरोप लगाए हैं। उन्होंने भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत से राजस्थान उच्च न्यायालय के लिए तत्काल प्रभाव से राज्य के बाहर से एक मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति करने का आग्रह किया है। न्यायमूर्ति मेहता ने प्रधान न्यायाधीश को दो अगस्त, 10 अगस्त और 17 अगस्त को लिखे तीन पत्रों में न्यायमूर्ति शर्मा पर कुप्रबंधन, गलत तौर-तरीके अपनाने, भाई-भतीजावाद में शामिल होने और पक्षपात करने का आरोप लगाया है।

उन्होंने दावा किया है कि न्यायमूर्ति शर्मा ने मास्टर ऑफ द रोस्टर के रूप में अपनी शक्तियों का दुरुपयोग किया और अमीर एवं रसूखदार पक्षकारों से जुड़े मामलों समेत कई प्रमुख मामलों को चुनिंदा तरीके से अपनी ही पीठ के समक्ष सूचीबद्ध किया। मास्टर ऑफ द रोस्टर से आशय पीठों और मामलों के आवंटन का अधिकार रखने वाले मुख्य न्यायाधीश से है। न्यायमूर्ति मेहता को मई 2011 में राजस्थान उच्च न्यायालय का न्यायाधीश नियुक्त किया गया था। वह फरवरी 2023 में गुवाहाटी उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश बनाए गए थे। उसी साल नवंबर में उन्हें उच्चतम न्यायालय में पदोन्नत किया गया था।

न्यायमूर्ति शर्मा को नवंबर 2016 में राजस्थान उच्च न्यायालय का न्यायाधीश नियुक्त किया गया था। जनवरी 2022 में उनका तबादला पटना उच्च न्यायालय कर दिया गया था। स्वास्थ्य संबंधी कारणों से राजस्थान वापस भेजे जाने के न्यायमूर्ति शर्मा के अनुरोध को मार्च 2023 में उच्चतम न्यायालय कॉलेजियम ने स्वीकार नहीं किया। इसके बजाय उन्हें पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय में स्थानांतरित कर दिया गया। बाद में उच्चतम न्यायालय कॉलेजियम ने मई 2025 में न्यायमूर्ति शर्मा को राजस्थान वापस भेजे जाने की सिफारिश की। सितंबर 2025 में राजस्थान उच्च न्यायालय के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश एस श्रीराम के सेवानिवृत्त होने के बाद न्यायमूर्ति शर्मा पिछले 10 महीने से अधिक समय से कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश के रूप में काम कर रहे हैं।

न्यायमूर्ति मेहता ने इससे पहले भी सीजेआई के संज्ञान में ऐसे कई मामले लाए थे, जिनमें दूसरी पीठों के समक्ष सूचीबद्ध मामलों को बाद में बिना किसी वाजिब वजह के वापस लेकर न्यायमूर्ति शर्मा की अदालत में स्थानांतरित कर दिया गया। न्यायमूर्ति मेहता की ओर से लिखे पत्रों के मुताबिक, न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने शुरू में उनसे ऐसे मामलों की जानकारी मांगी थी, लेकिन बाद में उनसे कहा कि आरोपों को लिखित रूप में देने की कोई जरूरत नहीं है और भरोसा दिलाया कि उचित कार्रवाई की जाएगी।

दो अगस्त को भेजे पत्र में न्यायमूर्ति मेहता ने लिखा है, हालांकि, मेरे मूल उच्च न्यायालय में किसी दूसरे राज्य से मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति करने के अनुरोध पर अब तक कोई सकारात्मक कदम नहीं उठाया गया है। न्यायमूर्ति मेहता ने कहा कि उन्हें न्यायमूर्ति शर्मा के न्यायिक कामकाज के बारे में भी शिकायतें मिली हैं, जो उनकी राय में प्रथम दृष्टया उनकी ईमानदारी पर संदेह पैदा करती हैं।

अन्नपूर्णा राशन किट योजना दुबारा शुरू करे सरकार: अशोक गहलोत

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य सरकार से अन्नपूर्णा राशन किट योजना दोबारा शुरू करने की मांग की है कि ताकि लोगों को बढ़ती मंहगाई से राहत मिले। गहलोत ने बुधवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार की गलत नीतियों ने आम आदमी से चीनी और गुड़ की मिठास और प्याज का तीखापन दोनों छीन लिए हैं।

उन्होंने आरोप लगाया, 'अच्छे दिन' और महंगाई कम करने के बड़े-बड़े वादे करने वाली सरकार के राज में आज रसोई का हर सामान आम आदमी की पहुंच से बाहर होता जा रहा है। यह सिर्फ महंगाई नहीं, आम आदमी की थाली पर सुनियोजित डाका है। पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत ने कहा कि यह तो बस महंगाई बढ़ने की शुरुआत भर है, देशभर में कमजोर मानसून के कारण कहीं ऐसा न हो कि महंगाई और बढ़ जाए।

राज्य की गत सरकार की राशन किट योजना का जिक्र करते हुए गहलोत ने कहा कि मौजूदा सरकार को इसे फिर शुरू करना चाहिए। उन्होंने कहा, ''गरीब और मध्यम वर्ग को इस महंगाई से राहत देने के लिए भाजपा सरकार को राजनीतिक प्रतिशोध छोड़कर कांग्रेस सरकार के दौरान प्रदेश में चलाई गई दाल, नमक, चीनी, खाद्य तेल, मिर्च पाउडर, धनिया पाउडर, हल्दी पाउडर आदि देने वाली अन्नपूर्णा राशन किट योजना को पुनः शुरू करना चाहिए, जिससे अल्पआय वर्ग को राहत मिल सके।

नया खान कानून झारखंड एवं देश के हितों को पूरा करेगा : रघुवर दास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने बुधवार को कहा कि एमएमडीआर कानून राज्य और देश के हितों को पूरा करेगा।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता दास ने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो)-कांग्रेस गठबंधन इस कानून के बारे में भ्रम फैलाकर लोगों को गुमराह कर रहा है। दास ने यहां भाजपा की झारखंड इकाई के प्रदेश मुख्यालय में संवाददाताओं को संबोधित करते कहा, ''भाजपा इस कानून को लेकर झामुमो और कांग्रेस की ओर से भ्रम फैलाकर लोगों को गुमराह करने की कोशिश की आलोचना करती है।''

उन्होंने आरोप लगाया कि धनबाद, बोकारो, चतरा, हजारीबाग, साहेबगंज और दुमका समेत राज्य के कई जिलों में बड़े पैमाने पर कोयला, बालू और पत्थरों की 'लूट' हो रही है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, ''हाल में संशोधित कानून राज्य और देश, दोनों के हितों को पूरा करेगा। यह अवैध खनन पर रोक लगाएगा तथा पारदर्शिता के साथ कानून सम्मत खनन को बढ़ावा देगा, जिससे

राज्य को ज्यादा से ज्यादा फायदा होगा। खनन क्षेत्र से मिलने वाले कुल कर का 90 प्रतिशत हिस्सा राज्य को जाता है और यह व्यवस्था जारी रहेगी।''

दास ने कहा कि रॉयल्टी के अलावा, केंद्र सरकार ने 2015 में खनन से प्रभावित इलाकों के विकास के लिए 'डीएमएफटी' फंड भी शुरू किया था। उन्होंने कहा कि केंद्र ने झारखंड में '34 कोयला ब्लॉक' को मंजूरी दी है, लेकिन अभी सिर्फ 'चार कोयला ब्लॉक' ही चालू हैं।

उन्होंने आरोप लगाया, ''राज्य सरकार अभी तक बाकी 30 कोयला ब्लॉक में काम शुरू नहीं कर पाई है, जो राज्य की गंभीरता की कमी को दिखाता है।''

कांग्रेस की झारखंड इकाई ने मंगलवार को दावा किया कि हाल में संशोधित कानून से राज्य के खजाने को 14,000 करोड़ रुपये का नुकसान होगा, जिससे कई सामाजिक कल्याण योजनाओं, खासकर महिलाओं पर केंद्रित 'मइयां सम्मान योजना' पर असर पड़ेगा। पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सुबोध कांत सहाय ने प्रेसवार्ता में कहा था कि उपकर और रॉयल्टी से मिलने वाली 14,000 करोड़ रुपये की यह रकम राज्य के 2026-27 वित्तीय वर्ष के सालाना बजट में शामिल है। कांग्रेस ने संसद में विधेयक पास होने के विरोध में 27 अगस्त से चरणबद्ध तरीके से प्रदर्शन शुरू करने का फैसला किया है।

संसद ने पिछले दिनों 'खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) संशोधन विधेयक, 2026' को मंजूरी दी थी। इस विधेयक का मकसद खनिज अधिकारों और खनिज संपदा वाली ज़मीनों पर कर लगाने के राज्यों के अधिकारों को सीमित करना है।

तकनीकी खराबी के कारण हावड़ा-राउरकेला वंदे भारत ट्रेन में विलंब

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जमशेदपुर/भाषा। हावड़ा-राउरकेला वंदे भारत ट्रेन में तकनीकी खराबी आने के कारण वह ओडिशा के बिसरा स्टेशन पर बुधवार को करीब डेढ़ घंटे से अधिक समय तक रुकी रही। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए दक्षिण पूर्व रेलवे (एसईआर) के चक्रधरपुर मंडल के अंतर्गत आने वाले इस रेलवे स्टेशन पर ट्रेन के डिब्बों के एक अलग समूह (रेक) की व्यवस्था की गई। चक्रधरपुर मंडल के जनसंपर्क निरीक्षक अबीर मिश्रा ने बताया कि ट्रेन के पहियों से जुड़ी प्रणाली में समस्या आ गई थी, जिसके कारण ट्रेन स्टेशन पर लगभग एक घंटे और 40 मिनट तक फंसी रही। उन्होंने बताया कि यात्रियों को उनके गंतव्य तक ले जाने के लिए रेलवे ने 'दूसरे रेक' का इंतजाम किया। यात्रियों को विशेष ट्रेन या यात्री ट्रेन से आगे की यात्रा करने का विकल्प भी दिया गया लेकिन इससे समय अधिक लगता। हावड़ा-राउरकेला वंदे भारत में आई इस खराबी का असर अन्य ट्रेनों के परिचालन पर भी पड़ा, जिससे ब्रह्मपुर-टाटानगर और राउरकेला-हावड़ा वंदे भारत ट्रेन भी देर से चलीं। ब्रह्मपुर वंदे भारत के प्रस्थान समय में एक घंटे का बदलाव किया गया, जबकि राउरकेला-हावड़ा वंदे भारत ट्रेन का प्रस्थान समय दो घंटे आगे बढ़ाया गया।

सुकेश चंद्रशेखर उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में खुद को पेश करने का दोषी पाया गया

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की एक अदालत ने कथित ठग सुकेश चंद्रशेखर को 2017 में भ्रष्टाचार के एक मामले में जमानत के लिए खुद को उच्चतम न्यायालय का एक न्यायाधीश बताकर एक विशेष न्यायाधीश को प्रभावित करने का दोषी ठहराया है तथा इस हरकत को न्यायिक प्रक्रिया की स्वतंत्रता और मर्यादा का 'सीधा अपमान' बताया है।

मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट हर्षिता मिश्रा ने चंद्रशेखर को भादंसं की धाराओं 170 (खुद को सरकारी कर्मचारी के रूप में पेश करना), 189 (सरकारी कर्मचारी को नुकसान पहुंचाने की धमकी देना) और 507 (गुमनाम संदेश के जरिए आपराधिक धमकी देना) के तहत दोषी ठहराया है। अदालत 27 अगस्त को चंद्रशेखर को सजा सुनायेगी। अदालत ने 20 अगस्त को आदेश में कहा, ''यह मामला भविष्य के लिए इस बात की याद दिलाता रहेगा कि कानून की गरिमा किसी व्यक्ति की आवाज में नहीं होती-चाहे वह टेलीफ़ोन पर कितनी ही प्रभुत्ववादी क्यों न लगे-बल्कि यह न्यायिक प्रक्रिया की ईमानदारी में निहित होती है।'' यह मामला 28 अप्रैल, 2017 को किये गये एक फोन से जुड़ा है, जब चंद्रशेखर भ्रष्टाचार के मामले में पुलिस हिरासत में था। अभियोजन पक्ष के अनुसार, चंद्रशेखर ने पुलिस आरक्षी मंजीत का मोबाइल हासिल किया और उससे पूनम चौधरी के आधिकारिक लैंडलाइन और मोबाइल पर संपर्क किया, पूनम चौधरी उस समय 'भ्रष्टाचार रोकथाम अधिनियम' से जुड़े मामलों की विशेष न्यायाधीश थीं। चंद्रशेखर ने पहले शीर्ष अदालत के तत्कालीन एक न्यायाधीश के निजी सचिव और बाद में खुद न्यायाधीश बनकर बात की। आरोप है कि उसने न्यायमूर्ति चौधरी को जल्द से जल्द जमानत देने के लिए मनाने की कोशिश की और ऐसा न करने पर उन्हें करियर से जुड़े बुरे नतीजों की धमकी दी।

बिहार के छात्र सवाल पूछते रहेंगे, अब सिर्फ जवाब नहीं जवाबदेही चाहिए : राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) परीक्षाओं से जुड़ी मांगों को लेकर छात्रों के विरोध-प्रदर्शन पर बुधवार को कहा कि छात्र सवाल पूछते रहेंगे और अब उन्हें केवल जवाब नहीं, बल्कि ''जवाबदेही'' चाहिए। उन्होंने प्रदर्शन के दौरान एक छोटे बच्चे को पुलिसकर्मियों द्वारा साथ ले जाए जाने का वीडियो 'एक्स' पर साझा करते हुए यह भी कहा कि सरकार जवाब देने के बजाय लाठी और ''वॉटर कैनन चला रही है'' और छात्रों को हिरासत में ले रही है। पुलिस का कहना है कि बच्चे को प्रदर्शनकारियों के बीच से सुरक्षित निकटवर्ती थाने ले जाया गया और बाद में उसकी मां को सौंप दिया।

गांधी ने कहा, ''बिहार के छात्र सवाल पूछते रहेंगे और अब सिर्फ़ जवाब नहीं-जवाबदेही चाहिए। बिहार के छात्रों का सवाल बहुत सीधा है- भर्ती परीक्षाओं में गड़बड़ी क्यों? पेपर लीक के आरोपों पर कार्रवाई क्यों नहीं? और युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ कब तक?'' कांग्रेस नेता ने कहा कि बीपीएससी की परीक्षाओं को लेकर विवाद नया नहीं है और छात्र लंबे समय से भर्ती प्रक्रिया, परीक्षा पैटर्न, देरी तथा पारदर्शिता को लेकर सड़कों पर हैं। उन्होंने दावा किया, ''सीवान में तो प्रदर्शनकारियों पर एके 47 से गोलीबारी तक सामने आई।'' उनका कहना है, यह सिर्फ़ पुलिस की कार्रवाई का सवाल नहीं। यह उस भाजपा सरकार की मानसिकता का सवाल है, जिसके पास जवाब नहीं हैं, इसलिए वह पुलिस को जवाबदेही से बचने का हथियार बना रही है। राहुल गांधी ने कहा, ''भाजपा सरकार यह समझ ले कि लाठी से सवाल नहीं रुकते। डराकर किसी का भविष्य नहीं छीना जा सकता।'' बिहार के छात्र अपने सवाल उठाते रहेंगे और अब केवल जवाब नहीं, जवाबदेही की मांग करेंगे। बीपीएससी परीक्षा से जुड़ी मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे छात्र और नौकरी के अभ्यर्थी मंगलवार को मुख्यमंत्री आवास की ओर मार्च के दौरान पुलिस से भिड़ गए। प्रदर्शनकारियों द्वारा अवरोधक तोड़ने और पथराव किए जाने के बाद पुलिस ने उन्हें तितर-बितर करने के लिए पानी की बौछार की तथा कथित तौर पर लाठीचार्ज भी किया।

'राष्ट्रगान का अपमान' : कांग्रेस, भाजपा हिमाचल विधानसभा में विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव लाएंगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिमला/भाषा। राष्ट्रगान के कथित अपमान को लेकर हिमाचल प्रदेश विधानसभा में बुधवार को एक बार फिर जबरदस्त हंगामा हुआ। सत्ताधारी कांग्रेस और विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), दोनों ने एक-दूसरे के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव लाने की घोषणा की। कांग्रेस और भाजपा के विरोधाभासी दावों के बीच दोनों पार्टियों के सदस्यों ने सदन में एक-दूसरे के खिलाफ नारेबाजी की। यह विवाद कांग्रेस के इस दावे से पैदा हुआ है कि शुक्रवार को विधानसभा के मानसून सत्र के पहले दिन भाजपा ने राष्ट्रगान जन गण मन' का अपमान किया।

पार्टी ने दावा किया कि जब 'जन गण मन' गाया जा रहा था, तब भाजपा विधायक विपिन सिंह परमार ने इसके खत्म होने से पहले ही हाथ उठाकर मांग की कि राष्ट्रगान के बाद राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' भी गाया जाए। हालांकि, भाजपा ने कांग्रेस के दावे को सिरे से खारिज कर दिया। पार्टी ने विधानसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर सदन की शुक्रवार की उस समय की कार्यवाही का वीडियो फुटेज उपलब्ध कराने की मांग की, जब राष्ट्रगान गाया जा रहा था।

विधानसभा की ओर से वीडियो जारी किए जाने के बाद भाजपा ने मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू से मांग की कि वह इस घटना के बारे में झूठ बोलने के लिए माफी मांगें। विपक्ष के नेता जयराम ठाकुर ने बुधवार को प्रश्नकाल के तुरंत बाद यह मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर राष्ट्रगान का अपमान करने का झूठा आरोप लगाया था। जयराम ने कहा कि विपक्ष को दिए गए वीडियो से यह आरोप गलत साबित हो गया। उन्होंने आरोप लगाया कि इसके बावजूद सत्ताधारी पार्टी ने न केवल विधानसभा परिसर के भीतर, बल्कि पूरे राज्य में भाजपा के खिलाफ प्रदर्शन किया।

त्यौहारों से पहले महंगाई से ध्यान भटकाने वाले स्टंट में जुटी भाजपा : खरगे

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने त्योहारों से पहले आवश्यक खाद्य वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर बुधवार को भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए दावा किया कि ध्यान भटकाने वाले ''स्टंट'' और ''बेतुकी बातों'' में उलझाकर महंगाई के मुद्दे से बचने की कोशिश की जा रही है। खरगे ने सोशल मीडिया मंच एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि कांग्रेस और जनता महंगाई को लेकर सवाल पूछती रहेगी। उन्होंने खाद्य वस्तुओं की बढ़ी हुई कीमतें दर्शाने वाला एक चार्ट भी साझा किया और आम आदमी की रसोई का जिक्र करते हुए प्याज, चीनी और सरसों तेल की बढ़ती कीमतों को लेकर सरकार पर निशाना साधा।

उन्होंने दावा किया कि प्याज के दाम सालभर में 59 प्रतिशत तक बढ़ गए हैं और कई शहरों में यह 50 से 60 रुपये प्रति किलोग्राम तक बिक रहा है। चीनी की कीमत 60-70 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है और कुछ जगहों पर यह 72 रुपये प्रति किलोग्राम तक बिक रही है। उनके मुताबिक, सरसों के तेल की कीमत 200 रुपये प्रति लीटर से अधिक हो चुकी है। खरगे ने खाद्य मुद्रास्फीति के 5.52 प्रतिशत और थोक मुद्रास्फीति के 9.78 प्रतिशत हो जाने का उल्लेख करते हुए कहा कि महंगाई आम आदमी के घरेलू बजट को प्रभावित कर रही है।

चिराग पासवान ने लोजपा (रामविलास) की राष्ट्रीय कार्यकारिणी का किया पुनर्गठन

पटना/भाषा। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने संगठन को मजबूत करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय कार्यकारिणी का पुनर्गठन करते हुए बिहार, झारखंड समेत कई राज्यों के प्रदेश अध्यक्षों को बदल दिया है। पार्टी की ओर से बुधवार को जारी सूची के अनुसार, चिराग पासवान राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ-साथ केंद्रीय संसदीय बोर्ड के चेयरमैन भी बने रहेंगे। ललित कुमार गौतम, हरमीत सिंह (एडवोकेट) और सरदार तारा सिंह को राष्ट्रीय कार्यकारिणी का स्थायी आमंत्रित सदस्य बनाया गया है। नई कार्यकारिणी में मनीष शंकर पांडेय, मोहम्मद शमीम एम. हवा, वीरेंद्र प्रधान, कुंवर आसिम खान, डॉ. सत्यनंद शर्मा और डॉ. कमला कुमारी को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। वहीं, अब्दुल खालिक को राष्ट्रीय महासचिव तथा सांसद राजेश वर्मा को राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

इसके अलावा मिथिलेश कुमार सिंह, राजू तिवारी, वीणा देवी, अजय कुमार, पंकज अरोड़ा, डॉ. के.पी. चौधरी, वीरेंद्र बिधूड़ी, डॉ. सुखातो ए. सेमा, धीरेंद्र कुमार सिन्हा मुन्ना', अशरफ अंसारी, अरविंद कुमार सिंह और सी. विद्याधरन को राष्ट्रीय महासचिव बनाया गया है। संगठनात्मक फेरबदल के तहत बिहार की कमान पार्टी के विधायक राजू तिवारी से लेकर सुरेंदर विवेक को सौंपी गई है। विवेक इससे पहले प्रदेश प्रवक्ता और प्रदेश कार्यालय अध्यक्ष की जिम्मेदारी निभा चुके हैं तथा बख्तियारपुर विधानसभा क्षेत्र से दो बार पार्टी के उम्मीदवार रह चुके हैं। वहीं, निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष राजू तिवारी को राष्ट्रीय कार्यकारिणी में दायित्व दिया गया है। पार्टी ने बिहार, झारखंड, असम, नागालैंड, छत्तीसगढ़, दिल्ली, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और मणिपुर सहित कई राज्यों में भी नए प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किए हैं।

दिल्ली में भारी बारिश के बाद जलभराव पर एनडीएमसी ने मांगी माफी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) ने बुधवार को अपने अधिकार क्षेत्र के कई इलाकों में बारिश के कारण हुए जलभराव के लिए स्थानीय निवासियों से माफी मांगी और कहा कि भविष्य में ऐसी स्थिति से निपटने के लिए व्यवस्था को और मजबूत किया जाएगा। एनडीएमसी के अध्यक्ष मनोज कुमार द्विवेदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि सामान्य परिस्थितियों में नगर निकाय 15-20 मिनट के भीतर जलभराव की समस्या दूर कर देता है, लेकिन मंगलवार को कम से कम तीन-चार स्थानों पर पानी निकालने में एक घंटे से अधिक समय लग गया।

मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी में भारी बारिश हुई, जिसके कारण कई इलाकों में जलभराव हो गया और लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ा। द्विवेदी के अनुसार, दो घंटे से भी कम समय में 72 मिलीमीटर से अधिक बारिश दर्ज की गई। उन्होंने कहा कि भले ही बहुत कम समय में अत्यधिक बारिश हुई हो, लेकिन इसे लोगों को हुई परेशानी और अव्यवस्था के लिए कोई बहाना नहीं बनाया जा सकता। उन्होंने कहा, ''25 अगस्त को एनडीएमसी क्षेत्र में जलभराव के कारण जिन लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा, मैं उनसे दिल से माफी मांगता हूं।'' द्विवेदी ने कहा कि नगर निकाय पूरे एनडीएमसी क्षेत्र को पूरी तरह 'जलभराव मुक्त'' बनाने के लिए कई अल्पकालिक और दीर्घकालिक उपाय करेगा। उन्होंने कहा, ''हम यह सुनिश्चित करने के लिए काम करेंगे कि भविष्य में हमारे नागरिकों को किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े।'' उन्होंने व्यवस्था में सुधार के लिए स्थानीय निवासियों से सुझाव भी आमंत्रित किए।

निर्वाचन आयोग ने 'जेन अल्फा' और 'जेन जी' तक पहुंच के लिए नए सिरे से प्रयास शुरू किए

नई दिल्ली/भाषा। निर्वाचन आयोग ने 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले 'जेन अल्फा' और 'जेनरेशन जी' तक पहुंच बनाने के लिए नए सिरे से प्रयास शुरू किया है ताकि उन्हें जागरूक मतदाता बनाने के साथ भविष्य में लोगों को चुनावी प्रक्रिया के बारे में शिक्षित करने वाले अभियानों का नेतृत्व करने के लिए सक्षम बनाया जा सके।

वर्ष 1997 से 2012 के बीच जन्मे लोगों को 'जेन जी' और वर्ष 2013-2025 के बीच जन्मे बच्चों को 'जेन अल्फा' कहा जाता है। आयोग अपने नए अभियान के तहत देश की 4,123 विधानसभा सीटों में कक्षा 9 से 12 तक के स्कूली विद्यार्थियों तथा कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के छात्रों को लक्षित करेगा। निर्वाचन आयोग के अधिकारियों के अनुसार, 18 से 26 वर्ष आयु वर्ग में कुल 14.78 करोड़ लोग हैं, जिनमें 7.98 करोड़ पुरुष, 6.79 करोड़ महिलाएं और 9,000 तृतीय लिंग के लोग हैं। आयोग की योजना प्रत्येक विस क्षेत्र में 10 के हिसाब से कुल 50,000 निर्वाचन साक्षरता क्लब (ईएलसी) स्थापित करने की है। इसके लिए 15 लाख स्कूलों में कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों से संपर्क किया जाएगा। 70,000 कॉलेजों व 1,400 विश्वविद्यालयों तक पहुंच बनाई जाएगी। व्यवस्थित मतदाता शिक्षा एवं चुनावी भागीदारी (एसवीईईपी) कार्यक्रम के तहत 2018 में ईएलसी की स्थापना की गई थी।

दुर्गा पूजा में दार्जिलिंग की हसीन वादियों का विशेष टॉय ट्रेन से लुत्फ उठा सकेंगे पर्यटक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दार्जिलिंग/भाषा। यूनेस्को की विश्व धरोहर में शामिल दार्जिलिंग हिमालयन रेलवे (डीएचआर) आगामी दुर्गा पूजा उत्सव के दौरान पर्यटकों के लिए अलग-अलग छोटे मार्गों पर विशेष भ्रमण सेवाएं शुरू करेगा। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि इनमें कुरसियांग और महानदी स्टेशनों के बीच चलने वाली 'मुक्तधारा' नाम की दोतरफा सेवा भी शामिल होगी। यह सेवा नोबेल पुरस्कार विजेता रवींद्रनाथ टैगोर को श्रद्धांजलि स्वरूप शुरू की जा रही है। उनकी प्रसिद्ध कविता मुक्तधारा' इस क्षेत्र से होकर बहने वाली पगलाझोरा जलधारा की प्राकृतिक सुंदरता से जुड़ी हुई है। डीएचआर की अधिकारी प्रतीक्षा छेत्री ने कहा, ''आगामी दुर्गा पूजा त्योहार के अवसर पर डीएचआर पर्यटकों और आगंतुकों को इस विरासत रेलवे तथा दार्जिलिंग की पहाड़ियों की प्राकृतिक सुंदरता का अनुभव करने के अधिक अवसर देने के लिए अतिरिक्त विशेष भ्रमण सेवाएं शुरू करेगा।'' उन्होंने एक बयान में बताया कि एक अक्टूबर से डीएचआर विशेष भ्रमण सेवाएं संचालित करेगा। इनमें दार्जिलिंग और घूम के बीच चार एकतरफा सैर तथा कुरसियांग और महानदी के बीच दो दोतरफा सैर शामिल होंगी।

छेत्री ने बताया कि दार्जिलिंग-घूम के बीच सैर डीजल इंजन से चलने वाली ट्रेनों द्वारा की जाएगी और एक तरफ की यात्रा का प्रस्तावित किराया 800 रुपये होगा। उन्होंने बताया कि कुरसियांग और महानदी के बीच चलने वाली दो दोतरफा सेवाओं में से एक भाप इंजन से संचालित होगी। इसे 'रेड पांडा' नाम दिया गया है। इसके जरिए यात्रियों को डीएचआर के प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर और ऐतिहासिक विरासत वाले हिस्से का अनुभव करने का अवसर मिलेगा। इस भाप इंजन वाली दोतरफा यात्रा का प्रस्तावित किराया 1,530 रुपये है। कुरसियांग और महानदी के बीच दूसरी आवागमन सेवा मुक्तधारा' होगी। यह डीजल इंजन से संचालित होगी और इसका किराया प्रति यात्री 1,030 रुपये होगा।

डीएचआर अधिकारी ने कहा, ''इन विशेष सेवाओं के जरिए दार्जिलिंग हिमालयन रेलवे का उद्देश्य दुर्गा पूजा के त्योहार को एक अनूठा विरासत अनुभव प्रदान करना है। इससे पर्यटक क्षेत्र की ऐतिहासिक रेलवे, भाप इंजन की विरासत, प्राकृतिक दृश्यों और सांस्कृतिक विरासत का आनंद ले सकेंगे।''

न्यायालय ने टाटा स्टील को जारी 1,000 करोड़ रुपये से अधिक के जीएसटी मांग नोटिस को रद्द किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने टाटा स्टील के खिलाफ कर अधिकारियों द्वारा जारी 1,000 करोड़ रुपये से अधिक के जीएसटी मांग एवं कारण बताओ नोटिस को रद्द कर दिया है। यह नोटिस इनपुट कर क्रेडिट (आईटीसी) के कथित तौर पर गलत तरीके से इस्तेमाल से संबंधित था। न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने कहा कि टाटा स्टील की ओर से कर चोरी या अतिरिक्त आईटीसी का लाभ उठाने के लिए जानबूझकर कोई प्रयास किए जाने के तथ्य सामने नहीं आए हैं।

न्यायालय ने कहा कि केवल तथ्यों को छिपाने का सामान्य आरोप लगाना पर्याप्त नहीं है और इससे आयकर विभाग के नोटिस को खतरा पैदा होता है। पीठ ने कहा कि

माल एवं सेवा कर (जीएसटी) कानून की धारा 73/74 के तहत कार्यवाही शुरू करने से पहले आकलन अधिकारी की संतुष्टि जरूरी है। कर अधिकारियों ने टाटा स्टील को वित्त वर्ष 2018-19 से 2022-23 की अवधि के लिए एक हजार करोड़ रुपये से अधिक की जीएसटी मांग का नोटिस थमाया था।

कंपनी को इस संबंध में अतिरिक्त/संयुक्त आयुक्त, केंद्रीय जीएसटी एवं केंद्रीय उत्पाद शुल्क, जमशेदपुर के समक्ष 30 दिन के भीतर कारण बताने को कहा गया था। यह नोटिस 27 जून को केंद्रीय कर, रांची के आयुक्त (ऑडिट) कार्यालय ने जारी किया था। इसमें आरोप लगाया गया था कि कंपनी ने केंद्रीय माल एवं सेवा कर अधिनियम, 2017 और संबंधित राज्य तथा एकीकृत जीएसटी कानूनों के प्रावधानों का उल्लंघन करते हुए आईटीसी का लाभ लिया। टाटा स्टील ने उच्चतम न्यायालय को बताया कि नोटिस में धोखाधड़ी, जानबूझकर गलत बयान देने या तथ्यों को छिपाने का कोई आरोप स्थापित करने वाले तथ्य नहीं दिए गए हैं। न्यायालय ने कहा कि ऑडिट के दौरान उठाई गई आपत्तियों या टिप्पणियों के आधार पर नोटिस जारी नहीं किया जा सकता।

सुविचार

कर्म ही पूजा है। अपने कार्य को निष्ठा से करें, परिणाम की चिंता छोड़ें, ईमानदारी से प्रयास करें, सफलता मिलेगी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मुफ्त प्रचार के लिए आस्था पर प्रहार क्यों?

एक मशहूर आभूषण कंपनी ने रक्षाबंधन के विज्ञापन में परिधान संबंधी जो प्रयोग किया, उससे उसकी मंशा का पता चलता है। ऐसे सारे प्रयोग हिंदू त्योहारों और मान्यताओं के साथ जोड़कर ही क्यों किए जाते हैं? क्या कोई 'क्रांतिवीर' अपनी ऐसी कलाकारी अन्य जगहों पर दिखाने की हिम्मत कर सकता है? कुछ लोग, जिन्हें न्यूटन का कोई नियम तक याद नहीं है, जैसे ही हिंदू त्योहार आते हैं, वे उनका इस तरह वैज्ञानिक विश्लेषण करने लगते हैं, जैसे विज्ञान का इनसे बड़ा ज्ञाता कोई दूसरा नहीं हुआ है। उन्हें शिकायत रहती है कि दीपावली पर दीप जलाएंगे तो प्रदूषण होगा! होली पर रंग लगाएंगे तो पानी की खपत बढ़ जाएगी! इनकी मानें तो करवा चौथ का व्रत करना अंधविश्वास है! ये तुलसी पूजन पर भी सवाल उठाते हैं। इनकी वैज्ञानिक विश्लेषण क्षमता एक दायरे तक ही सीमित रहती है, क्योंकि ये जानते हैं कि इससे आगे गए तो मामला बिगड़ने के पूरे योग बनेंगे। जिस अभिनेत्री ने उक्त आभूषण कंपनी के विज्ञापन में खास तरह की पोशाक पहनी, उसे निजी स्वतंत्रता से जोड़कर प्रचारित किया जा रहा है। वास्तव में मामला ऐसा नहीं है। हमारे देश में रक्षाबंधन पवित्र भावना के साथ मनाया जाने वाला त्योहार है। इसके साथ ऐतिहासिक परंपराएं और मर्यादाएं जुड़ी हुई हैं। अगर कोई व्यक्ति सार्वजनिक मंच पर इससे संबंधित सामग्री का प्रचार-प्रसार करे तो उसे इन बातों का ध्यान रखना चाहिए। यह कोई उपदेश नहीं है, बल्कि सामान्य बात है। इतनी समझ हर व्यक्ति में होनी चाहिए। विज्ञापन पर विवाद छिड़ने के बाद एक मशहूर राजनीतिक पार्टी के वरिष्ठ नेता का यह कहना इस विषय के बारे में उनके अल्प ज्ञान को दर्शाता है कि 'महिलाएं क्या पहनती हैं, क्या करती हैं और कहां जाती हैं, यह उनकी पसंद है। महिलाओं को अपनी स्वतंत्रता का इस्तेमाल करने के लिए ट्रोल करना बंद करें।'

यह मुद्दा महिलाओं की पसंद पर प्रतिबंध लगाने और उन्हें कहीं जाने से रोकने का है ही नहीं। जिस तरह कोई व्यक्ति मंदिर में दर्शन करने जाता है तो वहां उसे कुछ नियमों का पालन करना होता है, उसी तरह रक्षाबंधन पर राखी बांधने या बंधवाने के भी कुछ नियम होते हैं, जो इसकी पवित्रता और मर्यादा को सुनिश्चित करने के लिए जरूरी हैं। हर जगह के अपने नियम होते हैं। उनका पालन करने से व्यवस्था बनी रहती है। अगर कोई व्यक्ति सुबह एक महान नेता के समाधि स्थल पर फूल चढ़ाने जाए और शाम को किसी पार्टी में नृत्य प्रतियोगिता में भाग ले तो उसे दोनों जगह के माहौल के अनुसार अपना व्यवहार रखना पड़ेगा। वहां यह तर्क काम नहीं करेगा कि 'मेरी ज़िंदगी, मेरी मर्जी।' विज्ञापन मामले में विवाद के बाद कंपनी ने अपने कदम पीछे खींच लिए हैं। प्राय: हर कंपनी बाद में ऐसा ही करती है और कई वजह गिनाकर दावा करती है कि 'ऐसा अनजाने में हुआ, हमारी मंशा गलत नहीं थी।' क्या ये कंपनियां भारतीय समाज, संस्कृति, त्योहारों और मान्यताओं से इतनी अनजान हैं? कोई भी विज्ञापन, खासकर त्योहारों से पहले यूं ही नहीं बन जाता है। इसके लिए कंपनी के कई वरिष्ठ अधिकारी बातचीत करते हैं। कई लोगों से राय ली जाती है। विज्ञापन में किस बात पर जोर देना चाहिए, यह तय किया जाता है। उसके बाद स्क्रिप्ट लिखी जाती है। उसमें भी बहुत काट-छांट होती है। वह विज्ञापन जनता तक पहुंचते-पहुंचते दर्जनों आंखों के सामने से गुजरता है। क्या कंपनी का एक भी अधिकारी यह कमी नहीं पकड़ पाया? वास्तव में ऐसे विज्ञापनों के पीछे एक रणनीति होती है। उन्हें जानबूझकर ऐसा बनाया जाता है, जिससे ज्यादा से ज्यादा लोग देखें। चूंकि आपत्तिजनक सामग्री तेजी से फैलती है, उसकी खूब चर्चा होती है, इसलिए कंपनी को करोड़ों रुपए का प्रचार मुफ्त में मिल जाता है। अगर मामला ज्यादा तूल पकड़ लेता है तो गोलमोल जवाब दे दिया जाता है। ऐसी कंपनियां और कथित फिल्मी सितारे जो हिंदू आस्था का मजाक उड़ाते हैं, उनका संपूर्ण बहिष्कार ही उचित जवाब है।

ट्वीटर टॉक

नई दिल्ली में 9वें दो दिन के नेशनल सिक्योरिटी स्ट्रैटेजीज़ कॉन्फ्रेंस 2026 के आखिरी सेशन को संबोधित किया।इस्यह कॉन्फ्रेंस स्ट्रैटेजी बनाने और नेशनल सिक्योरिटी के लिए आने वाली चुनौतियों का अंदाज़ा लगाने के लिए एक मज़बूत फ़ोरम बन गई है।

-अमित शाह

एमपी सर्विस सेंटर में जोधपुर नगर निगम चुनाव की चुनावी स्ट्रेटेजी, मैनेजमेंट और आने वाली तैयारियों को लेकर भाजपा की कोर टीम और सीनियर पदाधिकारियों के साथ डिटेल में चर्चा हुई।भाजपा की जीत के लिए कार्यकर्ताओं में ज़बरदस्त जोश है।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

ओणम के खुशी के मौके पर दिल से बधाई और शुभकामनाएं। ओणम के रंग और जश्न हर परिवार के लिए शांति, खुशहाली और नई शुरुआत का मौसम लेकर आएं। यह पवित्र त्योहार एकता के बंधन को मजबूत करे और हमारी ज़िंदगी को खुशियों और खुशहाली से भर दे।

-ओम बिरला

प्रेरक प्रसंग

राष्ट्रभक्ति की मिसाल

साठ के दशक के आरंभ में जब विक्रम साराभाई तथा उनकी टीम भारत के प्रथम रॉकेट-प्रक्षेपण केंद्र के लिए उपयुक्त स्थान खोज रहे थे, तो उन्होंने केरल के एक छोटे से मछुआरा गांव थुंबा को चुना, जो चुंबकीय भूमध्य रेखा के निकट स्थित होने के कारण वैज्ञानिक दृष्टि से आदर्श था। किंतु समस्या यह थी कि आवश्यक भूमि पर सेंट मेरी मैगडलीन नामक चर्च तथा उसके आसपास बसे मछुआरा समुदाय के घर स्थित थे, जो उनकी संपूर्ण जीविका का आधार थे। साराभाई ने इस चुनौती का सामना बलपूर्वक अधिग्रहण से नहीं, अपितु संवाद तथा सम्मान से किया। उन्होंने बिशप पीटर बर्नार्ड परेरा से भेंट की, जिन्होंने सहायता का आश्वासन तो दिया, किंतु यह शर्त रखी कि साराभाई स्वयं रविवार की प्रार्थना-सभा के पश्चात चर्च की समस्त मंडली के समक्ष अपनी योजना प्रस्तुत करें। साराभाई ने ऐसा ही किया और भारत के भविष्य के लिए अंतरिक्ष कार्यक्रम के महत्व को स्पष्ट किया। इस पर बिशप तथा समस्त ग्रामवासियों ने एक असाधारण उदारता दिखाते हुए अपना चर्च, अपनी भूमि तथा अपने घर राष्ट्रीय उद्देश्य के लिए दान कर दिए। वही चर्च आगे चलकर इसरो का प्रथम कार्यालय तथा प्रयोगशाला बना।

सामयिक

खाद्य पदार्थ महंगे हो या सस्ते इसका लाभ न तो किसान को मिलता है और न ही उपभोक्ताओं को। मंडियों में बैठे बिचौलियों की इसमें चांदी होती है। प्याज, टमाटर आदि किसान से सस्ते में लिये जाते हैं और दुकानों पर आते ही इनका दाम चौगुणा हो जाता है। इसमें कमीशनखोरों का भारी कमीशन होता है। इसके नियंत्रण की सरकार के पास कोई ठोस योजना नहीं है।

त्योहारी सीजन में महंगाई ने फिर दिखाए अपने तेवर

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : 9414441218

त्योहारी सीजन की शुरुआत से पहले ही महंगाई का तड़का शुरू हो गया है। रक्षा बंधन और जन्माष्टमी के बड़े त्योहारों के अवसर पर महंगाई की मार रसोई पर पड़ने से लोगों के घरों का बजट गड़बड़ा गया है। चालू वर्ष में जनता को झटके पर झटके लग रहे हैं। अमेरिका-ईरान इजरायल युद्ध के चलते डझऋ गैस के दामों में बेतहाशा वृद्धि हुई। पेट्रोल-डीजल भी महंगा हुआ और अभी जनता थोड़ा संभलने की कोशिश कर ही रही थी कि महंगाई डायन का एक और बम फूट गया। चीनी, अरहर दाल और चावल के साथ-साथ आलू-प्याज के दाम भी तेजी से बढ़ गए हैं। रसोई का बजट गड़बड़ा गया है। चीनी के बाद अब दाल-चावल से लेकर सब्जियों के दामों में भी आग लग गई है। एक महीने में चीनी 20 रुपये महंगी हो चुकी है। तो वहीं प्याज और सब्जियों के दाम भी आसमान छू रहे हैं। आलू और प्याज के अलावा हरी सब्जी के दाम काफी बढ़ गए हैं। खाने-पीने की चीजों और रोजमर्रा की जरूरत के सामान महंगे होने से त्योहारों के सीजन में आम आदमी के घर का बजट पूरी तरह बिगाड़ दिया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक लगातार बारिश और बाढ़ के कारण सब्जियों की सप्लाई प्रभावित हुई है, जिससे बाजार में इनकी कीमतों में भारी तेजी देखने को मिल रही है। अचानक दाम बढ़ने का असर मिठाइयों व अन्य खाद्य सामग्री के साथ चाय-नाश्ते और घर के बजट पर भी पड़ रहा है। हालांकि केंद्र सरकार ने चीनी के शुल्क मुफ्त आयात को मंजूरी दी है। बावजूद इसके फिलहाल बाजार में बढ़े दाम चिंता का कारण बने हुए हैं।

आम आदमी पर महंगाई का बोझ एक बार फिर बढ़ गया है। अभी चीनी और प्याज के रेट आसमान पर पहुंचे हैं। इसका असर सीधे आम आदमी की जेब पर पड़ा है। प्याज से लेकर खाद्य वस्तुओं के दामों का आकाश छूना हैरानी की बात है। इस दौरान खुफिया तंत्र, कृषि विपणन बोर्ड की बाजारों में सक्रियता बढ़ाकर जमाखोरों तथा कालाबाजारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने के आदेश जारी करने चाहिए। न तो बढ़ती कीमतों का फायदा कृषक को मिलता है और न ही घटती कीमतों का फायदा उपभोक्ता को मिलता है। इसका लाभ जमाखोर, कालाबाजारी करने वाले उड़ा ले जाते हैं।

जब तक कालाबाजारी, मुनाफाखोरी और जमाखोरी पर सरकार रोक नहीं लगाती महंगाई बढ़ती रहेगी। देश में जितनी भी समस्याएं हैं चाहे, महंगाई हो, जमाखोरी, मुनाफा-खोरी अथवा काला बाजारी इन सबकी जड़ों में भ्रष्टाचार रूपी दीमक लगा हुआ है, जिसका पोषण व संरक्षण राजनीतिक लोग करते हैं। सरकार किसी भी दल की आ जाए यह काले कारनामें बन्द नहीं हो सकते क्योंकि सत्ता बदलते ही बेईमान लोगों की आस्था भी बदल जाती है। इनके सुर भी बदल जाते हैं। इसलिए कोई परिवर्तन नहीं आता। हालात जस के तस ही रहते हैं।

जब बढ़ती कीमतों का लाभ किसानों तक और घटी हुई कीमतों का लाभ उपभोक्ताओं तक न पहुंच रहा हो तब जाहिर है कि इन दोनों के बीच में ही कहीं गुम होने लगा है क्योंकि इन दोनों के बीच बाजार रहता है। ऐसे में बाजार की भूमिका पर संदेह किया जाना स्वाभाविक है। बाजार में किसी खाद्य वस्तु के मनमर्जी से ऐंठे जा रहे दाम लचर प्रशासनिक व्यवस्था का संकेत देते हैं। ऐसे में स्थानीय प्रशासन बाजार पर कड़ी नजर रखे। कारकों को चिन्हित कर दंड की व्यवस्था अंततरू निश्चित ही अच्छे परिणाम देगी। लेकिन उससे पहले जरूरी है कि किन तरीकों से इन कारकों का सही पता लगाया जा सकता है।

देश में महंगाई का उतार-चढ़ाव आर्थिक मायने में किसानों एवं उपभोक्ताओं को सीधे तौर पर प्रभावित करता है। महंगाई के उतार-चढ़ाव में लाभ से परे किसानों की व्यथा उपभोक्ताओं के समान ही है क्योंकि महंगाई के अर्थशास्त्र में सरकार की भूमिका निष्प्रभावी है। महंगाई के संदर्भ में सरकार की सबसे बड़ी नाकामी यह है कि वह महंगाई दर को नियंत्रित नहीं कर सकती। उसका काम यह बताना नहीं है कि महंगाई के कम-ज्यादा से किसको कितना फायदा पहुंचा है। आवश्यकता है कि सरकार बढ़ती महंगाई के अर्थशास्त्र से सबक ले और बढ़ती महंगाई पर अंकुश लगाने का प्रयास करे।

खाद्य पदार्थ महंगे हो या सस्ते इसका लाभ न तो किसान को मिलता है और न ही उपभोक्ताओं को। मंडियों में बैठे बिचौलियों की इसमें चांदी होती है। प्याज, टमाटर आदि किसान से सस्ते में लिये जाते हैं और दुकानों पर आते ही इनका दाम चौगुणा हो जाता है। इसमें कमीशनखोरों का भारी कमीशन होता है। इसके नियंत्रण की सरकार के पास कोई ठोस योजना नहीं है। इसका सबसे अच्छा हल तो यह है कोई ऐसी योजना बनाई जाये जिसमें किसानों के उत्पादन सीधे उपभोक्ताओं तक पहुंचे ताकि बिचौलियों से मुक्ति मिल सके।

नजरिया

राखी कोरा रक्षा कवच नहीं, नारी-सम्मान का संकल्प बने

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

रक्षाबंधन केवल कलाई पर बंधा हुआ एक धागा नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की उस विराट चेतना का प्रतीक है जिसमें प्रेम, विश्वास, दायित्व, आत्मीयता और संरक्षण एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। लेकिन बदलते समय में इस पर्व के अर्थ को भी नए सिरे से समझने की जरूरत है। वह समय बीत चुका है जब स्त्री की सुरक्षा को केवल पुरुष की जिम्मेदारी मान लिया जाता था। आज की महिला स्वयं अपने जीवन की दिशा तय कर रही है, शिक्षा, विज्ञान, प्रशासन, राजनीति, सेना, उद्योग, खेल और अंतरिक्ष तक अपनी पहचान बना रही है। इसलिए आज राखी का सबसे बड़ा प्रश्न यह नहीं होना चाहिए कि भाई बहन की रक्षा करेगा या नहीं, बल्कि यह होना चाहिए कि क्या हमारा समाज ऐसा बनेगा जिसमें हर महिला को अपनी सुरक्षा, स्वतंत्रता, गरिमा और सपनों के लिए किसी की कृपा पर निर्भर न रहना पड़े? रक्षाबंधन की भारतीय अवधारणा में रक्षा' का अर्थ बहुत व्यापक है। संस्कृत में कहा गया है- 'रक्षति इति रक्षः', अर्थात जो रक्षा करे वही रक्षक है। परंतु किसकी रक्षा? केवल शरीर की नहीं, बल्कि सम्मान की, स्वतंत्रता की, संस्कारों की, विचारों की और जीवन-मूल्यों की भी। इसी व्यापक अर्थ में रक्षाबंधन आज एक पारिवारिक पर्व से आगे बढ़कर सामाजिक दर्शन का पर्व बन सकता है।

भारतीय परंपरा में रक्षासूत्र का उल्लेख अत्यंत प्राचीन है। वैदिक परंपरा में रक्षा-सूत्र को मंगल, संकल्प और संरक्षण का प्रतीक माना गया। इंद्र और इंद्राणी की कथा हो अथवा गुरु द्वारा शिष्य को रक्षासूत्र बांधने की परंपरा-इन सबमें एक गहरी भावना दिखाई देती है कि मनुष्य अपने से जुड़े व्यक्ति के प्रति उत्तरदायित्व स्वीकार करे। इसका अर्थ किसी को कमजोर मानकर उसकी रक्षा करना नहीं, बल्कि संबंधों को जिम्मेदारी से निभाना है। यही बात आज के रक्षाबंधन को नई अर्थवत्ता देती है। भारतीय इतिहास में राखी ने कई बार रक्त और धर्म से परे मानवीय संबंधों का रूप लिया है। राजपूत परंपरा में युद्ध के लिए जाते योद्धाओं की कलाई पर रक्षासूत्र बांधने की परंपरा वीरता और विजय की मंगलकामना से जुड़ी रही। मध्यकालीन इतिहास में मेवाड़ की रानी कर्णावती और हुमायूँ से जुड़ी राखी की कथा भले ही इतिहास और लोकस्मृति के बीच अलग-अलग रूपों में प्रस्तुत की जाती हो, लेकिन इसका सांस्कृतिक संदेश स्पष्ट है-राखी जैविक भाई-बहन के रिश्ते से आगे बढ़कर विश्वास और संरक्षण का मानवीय अनुबंध बन सकती है।

महाभारत में द्रौपदी और श्रीकृष्ण का प्रसंग भी इसी भावभूमि को स्पर्श करता है। द्रौपदी द्वारा श्रीकृष्ण की घायल कलाई पर वस्त्र बांधने और श्रीकृष्ण द्वारा उसके सम्मान की रक्षा करने की कथा भारतीय मानस में भाई-बहन के रिश्ते की करुणा, आत्मीयता और दायित्व का प्रतीक बन गई। इस

रक्षाबंधन हमें यह भी याद दिलाता है कि राष्ट्र केवल सीमाओं से सुरक्षित नहीं होता। राष्ट्र तब सुरक्षित होता है जब उसकी बेटियां सुरक्षित हों, जब परिवारों में विश्वास हो, जब समाज में संवेदना हो, जब युवाओं में चरित्र हो और जब नागरिक अपने अधिकारों के साथ अपने कर्तव्यों को भी समझें। सीमा पर सैनिक राष्ट्र की भौगोलिक रक्षा करता है, लेकिन घर-परिवार में संस्कार, शिक्षा और संवेदना राष्ट्र की सामाजिक रक्षा करते हैं।

कथा का आधुनिक अर्थ यह है कि संबंध केवल लेने का नहीं, एक-दूसरे के लिए खड़े होने का नाम है। रक्षा एकतरफा नहीं होती, प्रेम में पारस्परिक उत्तरदायित्व होता है। आज की नारी ने इस पारंपरिक धारणा को एक नया आयाम दिया है। वह अब केवल रक्षा की अपेक्षा रखने वाली' नहीं, बल्कि स्वयं परिवार, समाज और राष्ट्र की रक्षा में सक्रिय भागीदार है। भारतीय सशस्त्र सेनाओं में महिलाएं सीमाओं की सुरक्षा कर रही हैं, महिला पायलट आकाश में देश की शक्ति का प्रतिनिधित्व कर रही हैं, वैज्ञानिक अंतरिक्ष अभियानों में योगदान दे रही हैं, महिला खिलाड़ी विश्व मंच पर तिरंगा ऊंचा कर रही हैं और प्रशासनिक सेवाओं में महिलाएं नीति-निर्माण को दिशा दे रही हैं। ऐसे समय में राखी का धागा हमें यह सोचने के लिए बाध्य करता है कि जिस नारी को हम अबला' कहकर उसकी रक्षा का दावा करते हैं, वही नारी राष्ट्र की रक्षा में अपना जीवन समर्पित कर सकती है तो उसके सम्मान और अधिकारों की रक्षा में समाज पीछे क्यों रहे?

यही रक्षाबंधन का नया दर्शन है-नारी की रक्षा नहीं, नारी की सामर्थ्य का सम्मान। नारी को सुरक्षित रखने का सबसे प्रभावी उपाय उसकी स्वतंत्रता को सीमित करना नहीं, बल्कि समाज की मानसिकता को बदलना है। बेटी को यह कहना कि सावधान रहना, क्योंकि दुनिया सुरक्षित नहीं है' पर्याप्त नहीं। उससे अधिक जरूरी है बेटे को यह सिखाना कि किसी महिला की स्वतंत्रता, गरिमा और इच्छा का सम्मान करना ही वास्तविक पुरुषार्थ है। राखी यदि भाई की कलाई पर बंधती है तो वह केवल बहन की रक्षा का वचन न बने, वह भाई को यह संकल्प भी दे कि वह किसी भी स्त्री के प्रति अन्याय, अपमान और हिंसा के विरुद्ध खड़ा होगा। आज नारी सुरक्षा का प्रश्न केवल सड़क, कार्यस्थल या सार्वजनिक स्थानों तक सीमित नहीं है। डिजिटल युग ने सुरक्षा की नई चुनौतियां पैदा की हैं। साइबर उत्पीड़न, ऑनलाइन बदनामी, निजी तस्वीरों का दुरुपयोग, डिजिटल धोखाधड़ी और सोशल मीडिया पर महिलाओं के विरुद्ध अपमानजनक व्यवहार आधुनिक समाज के नए खतरे हैं। इसलिए आज की राखी में एक नया संकल्प जुड़ना चाहिए-हम नारी की डिजिटल गरिमा की भी रक्षा करेंगे। लेकिन रक्षा का एक और आयाम है, जिसे हम अक्सर भूल जाते हैं-आर्थिक आत्मनिर्भरता। जिस महिला के पास शिक्षा, कौशल, रोजगार और आर्थिक निर्णय लेने की क्षमता है, उसकी आत्मसम्मान की शक्ति कहीं अधिक होती है। इसलिए यदि रक्षाबंधन को सचमुच नारी-सशक्तीकरण का पर्व बनाना है तो भाई बहन को केवल उपहार न दे, बल्कि उसके सपनों में सहभागी बने। उसकी शिक्षा, व्यवसाय, शोध, कला, करियर अथवा सामाजिक कार्य में सहयोग करे। सबसे सुंदर राखी वही होगी जो बहन की कलाई पर बंधकर उसके सपनों को पंख दे।

भारतीय संस्कृति ने नारी को केवल संरक्षण की वस्तु नहीं माना। हमारे यहां यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः की भावना रही है। गार्गी और मैत्रेयी जैसी विदुषियों ने ज्ञान की परंपरा में अपनी स्वतंत्र पहचान बनाई। रानी लक्ष्मीबाई ने रणभूमि में अद्भुत शौर्य का परिचय दिया। अहिल्याबाई होल्कर ने शासन और लोककल्याण का आदर्श स्थापित किया। सावित्रीबाई फुले ने स्त्री-शिक्षा की मशाल जलाई। आधुनिक भारत में कल्पना चावला से लेकर अनेक महिला वैज्ञानिकों और अंतरिक्ष यात्रियों तक ने यह सिद्ध किया कि प्रतिभा का कोई लिंग नहीं होता। इसलिए रक्षाबंधन को अतीत की स्मृति और वर्तमान की चेतना के बीच एक सेतु बनाना होगा। हमारी संस्कृति का संरक्षण तभी सार्थक है जब वह जीवन को आगे बढ़ाए, उसे पीछे न खींचे। परंपरा वह नहीं जो केवल दोहराई जाए, परंपरा वह है जो समय के साथ नए अर्थ पैदा करे। रक्षाबंधन का आध्यात्मिक पक्ष भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। संसार में सबसे बड़ी असुरक्षा बाहरी नहीं, भीतर की है। भय, क्रोध, लोभ, अहंकार, ईर्ष्या और द्वेष मनुष्य की आत्मिक शांति को कमजोर करते हैं। जैन दर्शन की दृष्टि से देखें तो वास्तविक रक्षा बाहरी कवच से नहीं, आत्मसंयम और आत्मजागरण से होती है। जब मनुष्य अपने भीतर के विकारों से स्वयं की रक्षा करना सीख जाता है, तभी वह दूसरों के लिए भी सुरक्षा और शांति का माध्यम बनता है। इस दृष्टि से रक्षासूत्र हमारी कलाई पर नहीं, पहले हमारे विवेक पर बंधना चाहिए।

रक्षाबंधन हमें यह भी याद दिलाता है कि राष्ट्र केवल सीमाओं से सुरक्षित नहीं होता। राष्ट्र तब सुरक्षित होता है जब उसकी बेटियां सुरक्षित हों, जब परिवारों में विश्वास हो, जब समाज में संवेदना हो, जब युवाओं में चरित्र हो और जब नागरिक अपने अधिकारों के साथ अपने कर्तव्यों को भी समझें। सीमा पर सैनिक राष्ट्र की भौगोलिक रक्षा करता है, लेकिन घर-परिवार में संस्कार, शिक्षा और संवेदना राष्ट्र की सामाजिक रक्षा करते हैं। माता-पिता संकल्प लें कि बेटा और बेटी दोनों को समान अवसर देंगे। रक्षाबंधन का भविष्य उस मानसिक परिवर्तन में है जहां रक्षा का अर्थ अधिकार छीनना नहीं, अधिकार सुरक्षित करना होगा, प्रेम का अर्थ स्वामित्व नहीं, स्वतंत्रता का सम्मान होगाय भाईचारे का अर्थ संरक्षण नहीं, साझेदारी होगा और संस्कृति का अर्थ अतीत में लौटना नहीं, अपने श्रेष्ठ मूल्यों को भविष्य में ले जाना होगा। कलाई पर बंधी राखी कुछ दिनों में पुरानी पड़ सकती है, लेकिन उससे जुड़ा संकल्प यदि जीवन में उतर जाए तो वह पीढ़ियों तक जीवित रहता है। इसलिए इस रक्षाबंधन पर एक नया संकल्प हो-नारी को सुरक्षित ही नहीं, सम्मानित बनाएंगे। उसे संरक्षित ही नहीं, समर्थ बनाएंगे। उसके रास्ते रोकेंगे नहीं, उसके सपनों के साथ चलेंगे। यही राखी का नया अर्थ है, यही भारतीय संस्कृति की आधुनिक व्याख्या है और यही उस धागे की वास्तविक शक्ति है, जो एक कलाई से शुरू होकर पूरे समाज को मानवीयता, आत्मसम्मान और राष्ट्रभावना के सूत्र में बांध सकता है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कृति सेनन के रक्षाबंधन विज्ञापन पर विवाद, ट्रोलिंग के बाद ब्रांड ने हटाया कैंपेन

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन इन दिनों अपने एक रक्षाबंधन विज्ञापन को लेकर चर्चा में हैं। विज्ञापन में उनके आउटफिट को लेकर सोशल मीडिया पर काफी आलोचना हुई जिसके बाद कृति ने ट्रोल्स को जवाब देते हुए कहा कि किसी भी त्योहार की असली खूबसूरती कपड़ों में नहीं बल्कि उससे जुड़ी भावनाओं और रिश्तों में होती है। अब इस विवाद के एक दिन बाद ज्वेलरी ब्रांड ने अपना विज्ञापन सभी प्लेटफॉर्म से हटा लिया है। ब्रांड ने बुधवार को इंस्टाग्राम पर एक बयान जारी करते हुए कहा, ''हम भारतीय संस्कृति, परंपराओं और त्योहारों का सम्मान करते हैं। एक ब्रांड के तौर पर हमारा हमेशा से मानना रहा है कि इन खुशियों भरे पलों को पूरे परिवार के साथ सेलिब्रेट किया जाए। इस बार हम इस प्यार और जश्न में अपने पालतू जानवरों को भी शामिल करना चाहते थे लेकिन अगर विज्ञापन से समाज के किसी वर्ग की भावनाएं आहत हुई हैं, तो इसके लिए हमें खेद है।

हमने विज्ञापन को सभी मीडिया प्लेटफॉर्म से हटाने का फैसला किया है।'' कृति सेनन ने 25 अगस्त को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर कर विज्ञापन को लेकर हो रही आलोचना का जवाब दिया था। उन्होंने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, ''त्योहारों का मतलब आपके पहने हुए कपड़ों में नहीं है बल्कि उन परंपराओं के प्रति भावनाओं और उनके महत्व में है। रक्षाबंधन का त्योहार सुरक्षा और प्यार के रिश्ते का प्रतीक है। मैं और मेरी बहन एक-दूसरे को राखी बांधती हैं और एक-दूसरे की सुरक्षा, अच्छी सेहत, खुशी और लंबी उम्र की कामना करती हैं।''कृति ने पोस्ट में आगे लिखा, ''मेरे लिए यह प्यार, प्रार्थना और एक-दूसरे की देखभाल का रिश्ता हमारे डॉग्स तक भी पहुंचता है, क्योंकि वे भी हमारे परिवार का हिस्सा हैं।''

इसके बाद कृति ने पोस्ट में पूछा, ''हम महिलाओं को यह बताना आखिर कब बंद करेंगे कि उन्हें क्या पहनना चाहिए? समय के एथनिक फैशन में भी काफी बदलाव आया है, लेकिन आज भी किसी महिला के कल्चर के प्रति सम्मान को उसके कपड़ों से मापा जाता है। संस्कृति और परंपराएं महिला के दिल में होती हैं, नेकलाइन में नहीं।''दरअसल, पूरा विवाद एक रक्षाबंधन विज्ञापन से शुरू हुआ। ज्वेलरी ब्रांड के एक विज्ञापन में कृति सेनन ने ऑफ-व्हाइट कलर का इंडो-वेस्टर्न आउटफिट पहना हुआ है। इसमें ब्रालेट स्टाइल ब्लाउज, ड्रेप्ड स्कर्ट और केप शामिल है। विज्ञापन सामने आने के बाद कुछ सोशल मीडिया यूजर्स ने उनके कपड़ों को त्योहार के हिसाब से सही नहीं बताया।

मामला तब और चर्चा में आया जब कंगना रनौत ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट शेयर किया। उन्होंने कृति का नाम नहीं लिया, लेकिन उनकी बातों को इसी विज्ञापन से जोड़कर देखा गया।

कंगना ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा, ''महिला होने के लिए यह शानदार समय है। हमारी अलमारियां कई तरह के कपड़ों से भरी हैं और आज की महिला ग्लोबल महिला है। कॉकटेल ड्रेस से लहंगा चोली, जींस से साड़ी और बिकिनी से सलवार-कमीज तक, आज हमारे पास कपड़ों के इतने विकल्प हैं। फिर आप अपने भाई को बिकिनी या अंडरगारमेंट्स में राखी क्यों बांधेंगी? आपके पास स्टाइलिंग के इतने विकल्प कहां गए? हा हा, यह विज्ञापन जानबूझकर अजीब बनाया गया लगता है।''

रूस पर यूक्रेनी हमले में वाइल्डबेरीज का गोदाम जलकर खाक

मॉस्को/एपी। यूक्रेन के लंबी दूरी तक हमला करने वाले ड्रोन ने एक महीने से कुछ अधिक समय में दूसरी बार रूस की सबसे बड़ी ऑनलाइन खुदरा कंपनी वाइल्डबेरीज के एक बड़े गोदाम को निशाना बनाया। स्थानीय अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि हमले के बाद लगी भीषण आग में गोदाम पूरी तरह नष्ट हो गया। यूक्रेनी बलों ने इससे पहले 18 जुलाई को मॉस्को के दक्षिण-पूर्व में तांबोव क्षेत्र स्थित इस गोदाम पर हमला किया था, जो यूक्रेन की सीमा से कई सौ किलोमीटर दूर है। तब इस हमले में सात लोगों की मौत हुई थी। इसके बाद यूक्रेन ने रूस की ई-कॉमर्स कंपनी वाइल्डबेरीज को लगातार निशाना बनाने का हवाई अभियान शुरू किया। कंपनी के बड़े आकार और व्यावसायिक महत्व के कारण इसकी तुलना अमेजन जैसी कंपनियों से की जाती है। रूस द्वारा फरवरी 2022 में किए गए हमले के बाद यूक्रेन ने अपनी अत्याधुनिक ड्रोन क्षमताओं को विकसित किया है। इनकी मदद से उसने हाल के हफ्तों में रूस में वाइल्डबेरीज की कई सुविधाओं को निशाना बनाया है।

कराबीनि पीनिया में हिन्दी कार्यशाला सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्मचारियों को हिंदी में अधिक से अधिक कार्यालयीन कार्य करने के लिए तथा राजभाषा हिंदी की संवैधानिक स्थिति के बारे में कराबीनि (कर्मचारी राज्य बीमा निगम) अस्पताल, पीण्या में कार्यशाला का आयोजन हुआ जिसमें नराकास के अधिकतर कार्यालयों से प्रतिनिधियों ने प्रतिभागिता की। इसका उद्घाटन 24 अगस्त को चिकित्सा अधीक्षक डॉ.मृदुला एएम ने किया। वक्ता के रूप में उपस्थित डॉ. इसपाक अली, नराकास सदस्य सचिव राजभवन, राजभाषा प्रभारी उपनिदेशक बैजनाथ मंडल, उपचिकित्सा अधीक्षक डॉ.नवीन एसएल तथा नर्सिंग अधीक्षक प्रशासन कविता एलबी आदि उपस्थित थे।

निगम का प्रतीक चिह्न पंचदीप का प्रज्वलन कर कार्यक्रम को विधिवत रूप से उद्घाटन डॉ. मृदुला ने किया। उन्होंने कहा कि कर्मचारी राज्य बीमा निगम अस्पताल, पीण्या हर तिमाही में एक हिंदी कार्यशाला का आयोजन करता रहा है। इस बार कार्यशाला का यह आयोजन केवल नराकास के सदस्य कार्यालयों के लिए अलग से किया गया है। व्याख्याता ने प्रतिभागियों का राजभाषा नियमों संबंधी मार्गदर्शन किया। उन्होंने कहा कि हिन्दी हमारी राजभाषा है। सरकारी कार्यालयों में हिन्दी में काम करना हम सबका संवैधानिक दायित्व है।

यह हमारा कर्त्तव्य है कि हम निर्धारित प्रतिशत में अपना काम हिंदी में करें।

इन कार्यशाला के प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए बैजनाथ मंडल ने कहा कि इस प्रशिक्षण के बाद आप अपना कार्य हिंदी में अधिक से अधिक करके इस कार्यशाला के आयोजन को सार्थक बनाएं। कार्यशाला में राजभाषा हिंदी के संवैधानिक प्रावधानों के बारे में मार्गदर्शन किया गया। संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी कैलाश चंद शर्मा ने किया।

न्यूयॉर्क सिटी के मेयर ममदानी ने मैडिसन स्क्वायर गार्डन में भागवत के कार्यक्रम का विरोध किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

न्यूयॉर्क/भाषा। न्यूयॉर्क सिटी के मेयर जोहरान ममदानी ने कहा है कि वह मैडिसन स्क्वायर गार्डन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत के प्रस्तावित कार्यक्रम का समर्थन नहीं करते हैं। इस कार्यक्रम में भागवत को भारतवंशी समुदाय को संबोधित करना है। हालांकि, ममदानी ने कहा कि चूंकि यह एक निजी कार्यक्रम है, इसलिए न्यूयॉर्क सिटी प्रशासन के पास संभवत: इसे रद्द करने का अधिकार भी नहीं है। भागवत आरएसएस के शताब्दी वर्ष समारोह से जुड़े वैश्विक संपर्क कार्यक्रम के तहत मंगलवार को अमेरिका पहुंचे। वह इस कार्यक्रम के तहत कनाडा और ब्रिटेन की भी यात्रा करेंगे। अमेरिका में भागवत के 29 अगस्त को प्रतिष्ठित मैडिसन स्क्वायर गार्डन (एमएसजी) में लगभग 5,000 लोगों की सभा को संबोधित करने का कार्यक्रम है। कई नागरिक अधिकार संगठनों ने इस प्रस्तावित कार्यक्रम का विरोध किया है।

भारतीय मूल के ममदानी ने मंगलवार को न्यूयॉर्क सिटी में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में भागवत के प्रस्तावित कार्यक्रम और उसे लेकर हो रहे विरोध-प्रदर्शनों से जुड़े सवाल पर कहा, मैं रैली का समर्थन नहीं करता, लेकिन मुझे नहीं पता कि किसी निजी कार्यक्रम को रद्द करने का अधिकार शहर के पास है या नहीं। खुद को न्यूयॉर्क सिटी का पहला भारतीय-अमेरिकी मेयर बताते हुए उन्होंने कहा कि उनकी मां मीरा नायर का परिवार अब भी भारत में रहता है। ममदानी ने कहा कि उनके परिवार ने उन्हें भारत की छवि के बारे में जो बताया है, वह एक बहुलतावादी समाज और एक धर्मनिरपेक्ष गणराज्य की है-एक ऐसा भारत, जो देश के प्रत्येक व्यक्ति को अपना मानने में यकीन करता है। उन्होंने कहा कि बहिष्कार वाले दृष्टिकोण पर आधारित एक आंदोलन का उभार देखना बेहद चिंताजनक रहा है। ममदानी ने कहा कि वह एक भारतीय-अमेरिकी और एक ऐसे शहर का मेयर होने के नाते इस कार्यक्रम का पुरजोर विरोध करते हैं, जो हर व्यक्ति को अपना मानने में दृढ़ विश्वास रखता है, चाहे उसका रंग, जाति, धर्म, आस्था या क्षेत्र कोई भी हो। 'हिंदू फॉर ह्यूमन राइट्स', 'इंडियन अमेरिकन मुस्लिम काउंसिल' और 'इंटरफेथ सेंटर ऑफ न्यूयॉर्क' सहित कई अंतरधार्मिक और नागरिक अधिकार संगठनों ने एमएसजी में भगवत के कार्यक्रम का विरोध किया है और प्रतिष्ठित स्थल के प्रबंधन से कार्यक्रम रद्द करने का आग्रह किया है।

बांग्लादेश में रह रहे रोहिंग्या शरणार्थियों ने म्यांमार वापसी की मांग को लेकर रैलियां निकालीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कॉक्स बाजार (बांग्लादेश)/एपी। म्यांमार से विस्थापित होने के बाद बांग्लादेश में कई शिविरों में शरण लेने वाले हजारों रोहिंग्या शरणार्थियों ने मंगलवार को रैली निकाली और अपने देश में सुरक्षित वापसी की मांग की। म्यांमार में नौ साल पहले रोहिंग्या समुदाय के लोगों के खिलाफ सरकार की कार्रवाई से भागकर ये लोग बांग्लादेश आए थे। प्रदर्शनकारियों ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से रखाइन प्रांत में सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की। उन्होंने इस दिन को रोहिंग्या नरसंहार दिवस की ''नौवीं बरसी'' के रूप में मनाया।

म्यांमार के रोहिंग्या जातीय एवं धार्मिक अल्पसंख्यक समुदाय के 10 लाख से अधिक शरणार्थी अब दक्षिण-पूर्वी बांग्लादेश के कॉक्स बाजार जिले के आसपास बने विशाल शिविरों में रह रहे हैं। इनमें से अधिकतर लोग 2017 में बड़ी संख्या में सीमा पार कर बांग्लादेश आए थे। उस समय बौद्ध बहुल म्यांमार में रोहिंग्या मुस्लिम विद्रोही समूह के हमले के बाद रखाइन में सुरक्षा बलों ने कार्रवाई शुरू की थी।

बांग्लादेश सरकार ने इससे पहले कम से कम दो बार रोहिंग्या शरणार्थियों की स्वदेश वापसी शुरू करने की कोशिश की थी, लेकिन यह प्रयास सफल नहीं हो सका क्योंकि सुरक्षा संबंधी चिंताओं का हवाला देते हुए किसी भी शरणार्थी ने वापस जाने की इच्छा नहीं जताई। बांग्लादेश का कहना है कि वह किसी को भी वापस जाने के लिए मजबूर नहीं करेगा। इसी बीच, मंगलवार को बांग्लादेश में 15 देशों और यूरोपीय संघ के राजनयिक मिशनों ने रोहिंग्या शरणार्थियों के लिए निरंतरत अंतरराष्ट्रीय समर्थन की अपील की।

एक्टर बहुत बहादुर होते हैं : अनुपम खेर

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता अनुपम खेर पिछले कई दशकों से मनोरंजन जगत में राज कर रहे हैं। मंगलवार को उन्होंने एक अभिनेता की खूबियों पर चर्चा की। उनका कहना है कि एक एक्टर व्यक्ति के उन सभी भावनाओं को पर्दे पर उतारता है, जिसे लोग जल्दी बाहर नही लाते हैं। अभिनेता अनुपम खेर ने इंस्टाग्राम पर अपने कुछ शानदार किरदारों की तस्वीरें पोस्ट कीं। इसके साथ उन्होंने बताया कि एक एक्टर को बेशक अपनी कला के बदले नाम-शोहरत मिलती है, लेकिन एक्ट करते वक्त सिर्फ कलाकार की कला ही काम आती है। उन्होंने लिखा, एक अभिनेता का दिल और हुनर। अभिनेता बहुत ही नाजुक दिल के लोग होते हैं, जो अपनी उन भावनाओं को सभी के सामने लेकर आते हैं, जिन्हें लोग पूरी जिंदगी छिपाने की कोशिश करते हैं।अभिनेता ने बताया कि व्यक्ति को अपनी पूरी जिंदगी में, गम, डर, जलन, प्यार, खुशी, असुरक्षा की भावनाओं को अपने अंदर ही ढूंढनी पड़ती हैं। उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि एक अभिनेता बहुत बहादुर होते हैं। क्योंकि बेशक, एक्टिंग से शोहरत, पैसा और ऐशो आसाम मिलते हैं, लेकिन एक्ट करते वक्त जब कमैरा चेहरे के सामने आता है, तो इन आरामों में से कोई भी काम नहीं आता है। उसके लिए आपको हुनर और एक खास तरह का दिल भी चाहिए, कभी-कभी तो टूटा हुआ दिल भी चाहिए होता है।

अभिनेता ने अपने करियर के शुरुआती दिनों की बात करते हुए कहा, करियर के शुरुआती सालों में, तो मुझे लगता था कि मैं खुद को साबित करने की जल्दी में था। क्योंकि मैं मनोरंजन जगत में एक गॉडफादर के तौर पर आया था और मेरे पास बस नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा की ट्रेनिंग और आत्मविश्वास था। कहीं न कहीं मैं लगातार यही कह रहा था, देखो मैं क्या कर सकता हूं. देखो मैं कितना अलग हो सकता हूं। अभिनेता ने बताया कि पिछले कुछ सालों में उनमें यही बदलाव आया है कि पहले से ज्यादा रिलेक्स हो गए हैं। उन्होंने लिखा, मुझे अब दूसरों को इम्प्रेस करने की वैसी जरूरत महसूस नहीं होती। अब मुझे किरदार की अनिश्चितता में मजा आने लगा है, जैसे कि उसकी खामोशी, विरोधाभास, कमजोरियां, यहां तक कि उसकी बेवकूफियां भी। अब मैं खुद को और ज्यादा चैलेंज करता हूं, लेकिन अजीब बात यह है कि अब घबराहट बहुत कम होती है। शायद एक एक्टर के तौर पर उम्र बढ़ने की एक अच्छी बात यही है कि आप सभी को ये जताना बंद कर देते हैं कि आपको कितना पता है। यहां मेरे उस सफर के कुछ चेहरे हैं।

रंगोली

इंदौर के अयप्पा मंदिर में बुधवार को ओणम के अवसर पर बनाई गई एक पुष्प रंगोली।

नवाजुद्दीन के काम में आपको एक नयापन देखने को मिलेगा : श्रुति देशपांडे

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री श्रुति देशपांडे ने थिएटर नाटक 'नकाब' में अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ स्टेज शेयर किया है। अभिनेत्री ने आईएएनएस के साथ बातचीत में नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ काम करने के अनुभव को शेयर करते हुए बताया कि वे अपने काम में हर बार कुछ नयापन जरूर लेकर आते हैं। अभिनेत्री ने बताया, नवाजुद्दीन उम्दा किस्म के कलाकार हैं, उनके काम में आपको एक नयापन देखने को मिलेगा। वह जो भी करते हैं, उसमें कुछ नया और अलग लेकर आते हैं। अभिनेत्री ने नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ अपना शिकागो का अनुभव शेयर करते हुए बताया, शिकागो में हम शो कर रहे थे और उसी समय थिएटर में कुछ तकनीकी समस्या हो गई थी, जिसके बाद नवाज का माइक काम नहीं कर रहा था और उससे आवाज नहीं आ रही थी, जिसके दर्शक चिल्लाने लगे कि उन्हें आवाज सुनाई नहीं दे रही है। जब आप लाइव परफॉर्म कर रहे हों और दर्शक चिल्ला रहे हों कि आवाज नहीं आ रही, तो बहुत ज्यादा ध्यान भटकता है। नवाज को अपनी आवाज तेज करनी पड़ी और जोर से बोलना पड़ा। एक एक्टर एक हद तक ही तेज आवाज में बोल सकता है, इसलिए हमने भी उनका साथ दिया और अपनी आवाज को उसी हिसाब से एडजस्ट किया।

उन्होंने आगे कहा, आखिर में उन्हें अपना माइक ठीक करवाने के लिए बैकस्टेज जाना पड़ा। चूंकि यह उनका पहला थिएटर एक्सपीरियंस था और मैं कई सालों से थिएटर कर रही थी, इसलिए मुझे लगा कि उस वक्त मुझे जिम्मेदारी लेनी चाहिए। मैंने थोड़ा इम्प्रोवाइज किया और हमने उस टेक्निकल खराबी और छोटे से ब्रेक को संभाल लिया, फिर शो आगे बढ़ाया। अभिनेत्री ने आगे कहा कि स्क्रीन और थिएटर में बड़ा फर्क है कि थिएटर में आपको सब कुछ उसी वक्त संभालना पड़ता है और स्क्रीन पर रीटेक हो जाता है। उन्होंने कहा, आपको टेक्निकल प्रॉब्लम, ऑडियंस और परफॉर्मेंस को बिना यह दिखाए मैनेज करना होता है कि कुछ गड़बड़ हुई है। मुझे लगता है कि उनसे मेरी सबसे बड़ी सीख यही थी।

रजनीकांत से हुई श्रिया सरन की हुई मुलाकात

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री श्रिया सरन ने हाल ही में अपने को-स्टार और साउथ सिनेमा के सुपरस्टार रजनीकांत के साथ मुलाकात की। अपनी इस मुलाकात की तस्वीरें उन्होंने मंगलवार को सोशल मीडिया के जरिए शेयर की। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर रजनीकांत के साथ तस्वीर पोस्ट करते हुए लिखा, जब आप किसी लीजेंड से मिलते हैं, तो फोटो तो बनता है। हैप्पी डे। श्रिया सरन और रजनीकांत की एक साथ आई सेल्फी आने के बाद अफवाहें हैं कि अभिनेता रजनीकांत की आगामी फिल्म 'धर्मन' में अभिनेत्री भी शामिल हो सकती हैं, लेकिन फिल्म मेकर्स की तरफ से अभी तक आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है।इस फिल्म में रजनीकांत एक खतरनाक डॉक्टर की भूमिका में नजर आएंगे, जिसका पहला लुक खून से सने स्कैल्पेल (सर्जरी वाले चाकू) के साथ जारी किया जा चुका है।

'धर्मन' अभिनेता की 173वीं फिल्म होगी, जिसका निर्देशन अश्वथ मारीमुथु कर रहे हैं। इस फिल्म का निर्माण राज कमल फिल्म्स इंटरनेशनल बैनर के तहत कमल हासन कर रहे हैं। लगभग 47 साल बाद रजनीकांत और कमल हासन किसी प्रोजेक्ट के जरिए साथ आ रहे हैं।फिल्म में रजनीकांत के अलावा, सिमरन और राशि खन्ना मुख्य भूमिकाओं में हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, राम पोथिनेनी भी इसमें अहम भूमिका निभा सकते हैं। फिल्म का दूसरा शेड्यूल चेन्नई में चल रहा है। इसे साल 2027 के शुरुआती महीनों में पैन इंडिया स्तर पर रिलीज किए जाने की उम्मीद है।अभिनेता रजीनकांत और अभिनेत्री श्रिया सरन ने मुख्य तौर पर साथ में साल 2007 की सुपरहिट तमिल फिल्म शिवाजी ('शिवाजी: द बॉस') में काम किया है।इस फिल्म में रजनीकांत ने शिवाजी अरामुगम का मुख्य किरदार निभाया था और श्रिया सरन ने उनकी प्रेमिका/पत्नी विद्या भारती की भूमिका निभाई थी। एस. शंकर द्वारा निर्देशित यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी। फिल्म मेंश्रिया ने एक सरल, मध्यमवर्गीय भारतीय लड़की की भूमिका निभाई थी। उनकी सादगी दर्शकों को बहुत पसंद आई। रजनीकांत की मेगास्टार छवि के सामने श्रिया की ऊर्जा और सादगी ने पर्दे पर अच्छा संतुलन बनाया था।

डर, बदला और रहस्य से भरा 'हैवान' का ट्रेलर, सैफ से भिड़ते दिखेंगे अक्षय कुमार

मुंबई/एजेन्सी

अक्षय कुमार और सैफ अली खान लंबे समय बाद एक साथ पर्दे पर नजर आने वाले हैं। उनकी आने वाली फिल्म 'हैवान' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। इसका निर्देशन प्रियदर्शन कर रहे हैं। फिल्म का ट्रेलर शुरू से आखिर तक सस्पेंस, डर और बदले से भरा हुआ है। इसमें अक्षय कुमार खतरनाक अंदाज में नजर आ रहे हैं, जबकि सैफ अली खान एक ऐसे किरदार में हैं, जो देख नहीं सकता, लेकिन अपनी समझ और हिम्मत के दम पर खूंखार दुश्मन का सामना करता है। ट्रेलर ने फिल्म की कहानी को लेकर कई सवाल खड़े किए हैं, जिससे दर्शकों की उत्सुकता और बढ़ गई है। करीब 2 मिनट 34 सेकंड के ट्रेलर की शुरुआत ही एक डरावने माहौल से होती है। शहर में एक अजीब तरह का डर फैला हुआ दिखाई देता है। लोगों के बीच किसी ऐसे शख्स को लेकर दहशत है जो लगातार वारदात कर रहा है। ट्रेलर में कई ऐसे सीन्स आते हैं, जिनसे पता चलता है कि इसके पीछे कोई बड़ी और पुरानी कहानी भी छिपी हो सकती है। जैसे-जैसे ट्रेलर आगे बढ़ता है, कहानी का रहस्य और गहरा होता जाता है। इसके बाद सैफ अली खान के किरदार की एंट्री होती है। सैफ एक ऐसे व्यक्ति की भूमिका निभा रहे हैं, जिसकी आंखों की रोशनी नहीं है। इसके बावजूद, उनका किरदार कमजोर नजर नहीं आता। वह आसपास की आवाजों और अपने दिमाग का इस्तेमाल करके परिस्थितियों को समझने की कोशिश करता है। ट्रेलर में उनके चेहरे पर डर, परेशानी और सवाल साफ दिखाई देते हैं। एक समय पुलिस उन्हें गिरफ्तार भी करती नजर आती है। यहां से कहानी और उलझ जाती है कि आखिर सैफ का किरदार इस पूरे मामले में पीड़ित है, गवाह है या फिर उसके पीछे कोई और राज छिपा है।ट्रेलर का सबसे बड़ा मोड़ तब आता है जब अक्षय कुमार की एंट्री होती है। अक्षय इस बार अपने आम हीरो वाले अंदाज से बिल्कुल अलग दिखाई दे रहे हैं। उनके किरदार में डर और खूंखार पना हैं। वह कई जगह बेहद आक्रामक दिखाई देते हैं।

ट्रेलर में अक्षय और सैफ के किरदारों के बीच एक तरह की चूहे-बिल्ली की लड़ाई दिखाई गई है, जिसमें दोनों एक-दूसरे को मात देने की कोशिश करते नजर आते हैं।ट्रेलर में एक्शन के साथ सस्पेंस पर भी काफी जबरदस्त दिया गया है। कई सीन्स देखकर ऐसा लगता है कि अब कहानी का राज खुल जाएगा, लेकिन अगले ही पल कोई नया सवाल सामने आ जाता है। बैकग्राउंड म्यूजिक पूरे माहौल को और डरावना बनाता है।फिल्म में अक्षय और सैफ के अलावा सैयामी खेर, बोमन ईरानी, शारिब हाशमी, राजपाल यादव और राजेश शर्मा जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

ट्रेलर में सैयामी पुलिस अधिकारी के किरदार में दिखाई देती हैं, जबकि बोमन ईरानी जज की भूमिका में नजर आ रहे हैं। 'हैवान' का निर्माण केवीएन प्रोडक्शंस और थेस्पियन फिल्म्स के बैनर तले किया गया है। इसे 2016 में आई मलयालम फिल्म 'ओप्पम' का हिंदी रीमेक बताया जा रहा है, हालांकि उपलब्ध जानकारी के मुताबिक मेकर्स की ओर से इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

सौहार्दपूर्ण भेंट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु में बुधवार को भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा कर्नाटक के स्टेट जनरल सेक्रेटरी इंद्रचंद नाहर की अगुवाई में जैन समाज के प्रतिनिधि मंडल ने आर्ट ऑफ लिविंग के प्रमुख गुरुदेव श्रीश्री रविशंकरजी से सौहार्दपूर्ण भेंट की। इस भेंट के दौरान आगामी चातुर्मास के बारे में विस्तृत चर्चा हुई और चातुर्मास के दौरान हो रहे धार्मिक व सामाजिक कार्यक्रमों के बारे में गुरुदेव को अवगत कराया गया। रविशंकरजी ने अपना स्नेहपूर्ण आशीर्वाद प्रदान किया। प्रतिनिधि मंडल में जैन फ़ोरम के अध्यक्ष बाबूलाल मेहता, हेमराज जियानी, जयनगर जैन मंदिर के अध्यक्ष चंद्र कुमार सिंघवी सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

चरण उसी के पूजे जाते हैं जिसका आचरण महान हो : संतश्री मोक्षानंदविजय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गोडवाड़ भवन में गच्छाधिपति जैनाचार्य नित्यानन्द सूरीश्वरजी की निश्रा में चल रहे गुरु कृपा चातुर्मास में प्रवचनों के माध्यम से जिनवाणी की अमृत वर्षा हो रही है। गच्छाधिपति जैनाचार्य नित्यानन्द सूरीश्वरजी की निश्रा में तप-जप-आराधना का माहौल बना हुआ है।

बुधवार को मुनिश्री मोक्षानन्दविजयजी ने श्रद्धालुओं को उच्च विचार व पवित्र आचारयुक्त सादगी भरा जीवन व्यतीत करने हेतु प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि व्यक्ति का अच्छा आचरण ही प्रभावशाली उपदेश बनता है। आज कल बड़ी-बड़ी बातें करने वाले तो बहुत मिल जाएंगे, किन्तु आचरण के स्तर पर शून्य ही मिलता है। हर कोई चाहता है कि लोग उनके चरण छुएं किन्तु चरण उसी के पूजे जाते हैं जिसका आचरण महान होता है। तुच्छ मनोवृत्ति के कारण व्यक्ति दूसरों के दिलों में स्थान नहीं बना पाता। संसार में कुछ लोग दिल में उतरते हैं तो कुछ लोग दिल से उतरते हैं। चरित्रवान लोग परिवार, समाज और राष्ट्र के लिए आदर्श बनते हैं। लोग अपने आप उनका अनुसरण करने के लिए प्रेरित हो जाते हैं। आजकल लोग दोरंगी जीवन जी रहे हैं।

बाहर से भले ही व्यक्ति सफेद पोश दिखाई देते हैं लेकिन भीतर से अक्सर वैसा साफ सुथरा व्यक्तित्व नहीं होता। कथनी और करनी में बड़ा अन्तर दिखाई देता है। ऐसा व्यक्ति अच्छी और ऊंची बातें करके सामने वाले को प्रभावित करने की भले ही कोशिश करे लेकिन उसका असर ज्यादा देर तक नहीं टिकता। सादगी और पवित्रता से ही व्यक्तित्व महान और पूजनीय बनता है। जब हम सभी के लिए अच्छा सोचते हैं और एक दूसरे के लिए सहयोगी बनते हैं तब हमारे भीतर गुण प्रगट होने लगते हैं। गुणवान व्यक्ति का हर विचार मूल्यवान होता है। इसलिए जीवन रूपी उपवन को महकाने के लिए गुणवानों की संगति में रहना चाहिए।

गोडवाड़ भवन जैन ट्रस्ट के अध्यक्ष दिलीप सुराणा, महामंत्री विक्रम कुमार करबावाला, चेयरमैन कुमारपाल सिसोदिया के नेतृत्व में ट्रस्ट के सदस्यों ने आचार्यश्री एवं साधु-साध्वियों के दर्शन कर सुख साता पूछी।

दर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के बीबीयूएल एवं सीबी भंडारी जैन कॉलेज के समिति के सदस्यों ने बुधवार को गोड़वाड़ भवन में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री नित्यानंद सूरीश्वर जी के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। संस्थान के अध्यक्ष चम्पालाल भंडारी, उपाध्यक्ष नरेन्द्र वेदमुथा, सचिव चम्पालाल जैन, कोषाध्यक्ष अशोक भंडारी सहित अनेक सदस्य इस मौके पर उपस्थित थे।गोड़वाड़ वल्लभ चातुर्मास आयोजक समिति के दिलीप सुराणा, कुमारपाल सिसोदिया आदि ने अतिथियों का सम्मान किया।

जैन विद्या परीक्षा के उत्तीर्ण विद्यार्थियों का हुआ सम्मान

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। मुनिश्री आकाश कुमारजी के सान्निध्य में तेरापंथ सभा राजराजेश्वरीनगर के तत्वावधान में जैन विद्या परीक्षा-2025 में उत्तीर्ण

विद्यार्थियों का सम्मान एवं पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। मुनिश्री ने जैन विद्या का महत्व बताते हुए कहा कि जैन धर्म में ज्ञान का बहुत महत्व है। आचार्य तुलसी ने इस महत्व को समझते हुए तेरापंथ श्रावक समाज को जैन विद्या प्रकल्प का अवदान दिया। मुनिश्री हितेन्द्र कुमार जी ने जैन विद्या के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि विद्यार्जन का असर आपके आचार-विचार पर पड़ता है। हमारा सम्यक्त्व पुष्ट होता है। जैन विद्या राजराजेश्वरीनगर की सह केंद्र व्यवस्थापिका संगीता डागा ने स्थानीय केंद्र के परीक्षार्थियों की जानकारी दी। सभाध्यक्ष कमलसिंह दुगड़ ने अपने विचार प्रस्तुत किए। जैन विद्या प्रभारी सीमा छाजेड़ गत 9 वर्षों से राजराजेश्वरी नगर में जैन विद्या परीक्षा के प्रचार-प्रसार एवं संयोजना में अपने समय व श्रम का नियोजन कर रही हैं। जैन विद्या दक्षिण कर्नाटक के सहप्रभारी विक्रम दुगड़, तेयुप के अध्यक्ष सरल पटवारी, महिला मंडल की अध्यक्ष मंजु बोथरा की उपस्थिति में सभी परीक्षार्थियों को प्रमाण पत्र के साथ पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन सहकेंद्र व्यवस्थापिका आशा लोढ़ा ने किया।

मंदिर में श्रावक की पहचान एक विनम्र साधक की हो : मुनिश्री वीरसागर

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के ज्ञानोदय दिगंबर जैन मंदिर, तुबरहल्ली में मुनिश्री वीरसागर जी ने अपने प्रवचन में मंदिर की पवित्रता, दर्शन की मर्यादा और श्रद्धालुओं के आध्यात्मिक आचरण को लेकर महत्वपूर्ण एवं आत्ममंथन कराने वाला संदेश दिया। 'क्या मंदिर के अध्यक्ष नरक जाएंगे?' विषय पर संबोधित करते हुए मुनिश्री ने कहा कि मंदिर केवल पूजा करने का स्थान नहीं, बल्कि आत्मचिंतन, संयम, विनय और वैराग्य की साधना का पवित्र केंद्र है। मंदिर में प्रवेश करते समय व्यक्ति को अपने पद, प्रतिष्ठा, धन और सामाजिक प्रभाव का अहंकार बाहर ही छोड़ देना चाहिए। मंदिर में अध्यक्ष हो या सामान्य श्रावक, सभी की पहचान एक विनम्र साधक की होनी चाहिए। मंदिर की जिम्मेदारी को अधिकार अथवा प्रतिष्ठा का माध्यम नहीं, बल्कि सेवा का अवसर समझना चाहिए। उन्होंने मंदिर में कृत्रिम सजावट और बाहरी आडंबर से बचने का संदेश देते हुए कहा कि

जिनालय में सादगी और स्वाभाविकता का भाव होना चाहिए। अत्यधिक प्रसाधन, कृत्रिम सौंदर्य प्रदर्शन और दिखावे के स्थान पर श्रद्धालुओं को आंतरिक शुद्धि और भक्ति पर ध्यान देना चाहिए।

प्रवचन में उन्होंने कहा, प्रत्येक श्रद्धालु को समान रूप से शांतिपूर्ण दर्शन का अवसर मिले, इसका ध्यान रखना आवश्यक है। मुनिश्री ने मंदिर परिसर में विकथा, निंदा, चुगली, सांसारिक चर्चाओं और अनावश्यक बातचीत से बचने की प्रेरणा दी। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से मंदिर की मर्यादा, मौन, अनुशासन, समान दर्शन-अवसर और आत्मशुद्धि के भाव को जीवन में उतारने का आह्वान किया।

मानसिक शांति, आध्यात्मिक उन्नति के लिए आहार शुद्धि जरूरी : विमलसागरसूरीश्वर

हैदराबाद।/दक्षिण भारत बुधवार को स्थानीय महावीर स्वामी जैन श्वेतांबर संघ के तत्वावधान में आयोजित वर्षावास में जैनाचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने अपने प्रवचन में आहार से संबंधित हिंसा की चर्चा की। उन्होंने बताया कि मानसिक शांति,

आध्यात्मिक उन्नति और जागतिक न्याय के लिए सबसे पहले आहार शुद्धि जरूरी है। जो असात्विक, तामसिक और हिंसक आहार पर निर्भर है, वह किसी प्राणी के साथ न्याय नहीं कर सकता। यदि हम असभ्यता से सभ्यता की ओर तथा पशुता से मानवता की ओर आगे बढ़ना चाहते हैं तो सबसे पहले इसकी शुरुआत आहार से ही करनी होगी। आहार का मन से, फिर मन का विचारों से और विचारों का जीवन से सीधा संबंध है। यदि मनुष्य का आहार शुद्ध और सात्विक नहीं है तो उसका जीवन भी पवित्र और शांतिमय नहीं हो सकता। धर्मशास्त्र और मनोविज्ञान, दोनों कहते हैं कि तामसिक या राजसिक आहार करने वालों की जीवनशैली कभी सात्विक नहीं हो सकती। अपने मन, विचार और व्यवहार की पवित्रता में आहारचर्या की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

आचार्यश्री ने कहा कि आहार की लालसा जीवन के पतन का रास्ता है। यह स्वास्थ्य, मन और साधना, सबके लिए हानिकारक है। जीवन की असीम संभावनाएं हैं और वे सिर्फ मनुष्य की जिंदगी में ही सार्थक हो सकती है। जो आहार पर अटक जाता है, वो जीवन के सही पथ से भटक जाता है। आधुनिक युग में लोगों में खाने-पीने की सर्वाधिक लालसा देखी जाती है। यह मनुष्य की हीन व विकृत चित्तवृत्तियों की परिचायक हैं। यह प्रवृत्ति घोर अज्ञानता और आत्मपतन का कारण है।

अपेक्षा किसी से नहीं और उपेक्षा किसी की नहीं करनी चाहिए : अभिजीतमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के श्वेताम्बर स्थानकवासी बावीस सम्प्रदाय जैन संघ ट्रस्ट के गणेश बाग स्थानक में चातुर्मासार्थ विराजित अभिजीतमुनिजी ने कहा कि अपेक्षा किसी से नहीं रखनी चाहिए और उपेक्षा कभी किसी की नहीं करनी चाहिए। दोनों ही स्थिति में दुःख मिलने वाला है। अपेक्षा पूरी नहीं होगी तो कषायता बढ़ेगी, क्रोध, मान, माया, अहंकार हो जाएगा और किसी की उपेक्षा की तो उसको भी कषाय बढ़ेगा। जीवन में प्रेम, प्यार, करुणा, उदारता रखें। सबके जीवन में खुशियां भरें यही मानव जीवन सच्चा सार है। रवि मुनिजी ने सुख विपाक के माध्यम से सुख प्राप्त करने व पुण्य का उपार्जन करने का तरीका बताया। उन्होंने सुपात्र दान का महत्व बताया।

अमृत रस समान होती है परमात्मा की वाणी : साध्वीश्री मंगलज्योति

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के वर्द्धमान श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ शांतिनगर के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री मंगलज्योतिजी ने बुधवार को अपने प्रवचन में कहा कि वीतराग परमात्मा की वाणी अमृत रस से भरी प्रेरक मधुर मीठी होती है, जो हमें जीवन की मिठास देती है।

उन्होंने दो प्रकार की दृष्टि, बाह्य दृष्टि और अन्तर दृष्टि की व्याख्या करते हुए कहा कि बाह्य दृष्टि शरीर के लिए और अन्तर दृष्टि आत्मा से जुड़ी है। जहाँ बाह्य दृष्टि भौतिक पुद्गलों को आकर्षित करती है, वहीं हमारी अन्तर दृष्टि अपनी आत्मा को सुन्दर बनाने हेतु काम आती है।

हमारे अन्तर चक्षु एक एक्सरे के समान है जो हमारे अन्तर हृदय के अवगुणों को प्रकट करने का काम करती है और उसे सुधारने हेतु पुरुषार्थ करने के लिए सतत प्रेरित करती है। अन्तर दृष्टि मोह रहित और बाह्य दृष्टि मोह से भरी होती है। जब तक आत्मा मोह से घिरी रहेगी तब तक जीव को सम्यक ज्ञान की प्राप्ति नहीं होगी।

साध्वी विकास ज्योतिजी ने कहा कि हमारा मन रूपी घट विषय, विकारों से रहित निर्विकार होगा, तभी इस चेतन आत्मा में राम का निवास होगा। हम अपने हृदय को राग, द्वेष, लोभ, मोह, विषय- वासना, विकारों की गंदगी से साफ़ कर लेगें। फिर हर मन आत्मा के घट घट में प्रभु परमात्मा का निवास होगा और आत्मा की मुक्ति की मंजिल भी उसके निकट होगी।

संघ के अध्यक्ष धनरुपचंद मेहता ने सबका स्वागत किया। मंत्री छगनमल लुणावत ने संचालन किया। अनेक श्रावक श्राविकाओं ने विविध तपश्चर्या के प्रत्याख्यान ग्रहण किए।

उपकारी के उपकार को कभी अनदेखा नहीं करना चाहिए : कमलमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। शहर के हल्लदकेरी स्थित जैन स्थानक भवन में राष्ट्रसंत डॉ कमल मुनि जी कमलेश ने अपने प्रवचन में कहा कि संकट के समय हमें निस्वार्थ भाव से साथ देने वाली अनंत उपकारी आत्मा हमारे लिए परमात्मा से कम नहीं है। उसके उपकार को अनदेखा करना, समय निकलने पर भूल जाना, इससे बड़ा और कोई पाप नहीं हो सकता। मुनिश्री ने कहा कि पशु जगत पर थोड़ा सा उपकार कर दो वह जन्म-जन्मांतर भूलता नहीं है, जबकि दुर्भाग्य यह कि इंसान जिस थाली में खाता है उसी थाली में छेद करता है। ऐसे व्यक्ति की कोई जाति और धर्म नहीं होता, वह तो धरती पर भारभूत है।उपकारी के साथ भी दुर्व्यवहार करने वाला शैतान से कम नहीं होता है। जो अपने साथ बुरा करने वाले के साथ भी उपकार का काम करता है वह धरती पर साक्षात चलता फिरता तीर्थ है।

जीवों के कल्याण के लिए है परमात्मा की वाणी : साध्वी प्रियश्रद्धांजनाश्री

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट, बसवनगुड़ी के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी प्रियश्रद्धांजनाश्रीजी ने ध्यान शतक ग्रंथ की विवेचना करते हुए कहा कि परमात्मा की वाणी भव्य जीवों का कल्याण करने के लिए प्रवाहित हुई। आज छब्बीस सौ वर्ष बीत जाने के बाद भी जिनवाणी का उतना ही महत्व है। परमात्मा ने केवल ज्ञान से निर्वाण तक तीस वर्षों तक अपनी सुगम वाणी बरसाई। अगर जिनवाणी सुगम नहीं होती तो हमें समझ में भी नहीं आती।

उन्होंने कहा, पद, प्रतिष्ठा, पैसा,

परिवार, पत्नी मोह, और पाप अनाचार दुर्ध्यान के कारक हैं। यह दुर्ध्यान किम्पाक फल के जैसे मीठा और खतरनाक होता है। जो अनाचार करते समय तो मीठा लगता है लेकिन जब कर्मोदय होता है तब बहुत ख़तरनाक परिणाम आते हैं। संसार के जीवों द्वारा क्रिया से अनाचार हो जाता है तो भावों से उस अनाचार की आलोचना कर लेनी चाहिए। तपस्या की कड़ी में अनेक तपस्वियों ने साध्वीश्री से तप के पच्चखाण लिए।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

देवी उत्सव

बेंगलूरु के सुब्बणा गार्डन के नागरिकों द्वारा चामुंडेश्वरी देवी उत्सव का आयोजन किया गया जिसमें विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित होकर महेंद्र मुणोत ने देवी मां के दर्शन कर आशीर्वाद लिया एवं जरूरतमंद बच्चों में नोटबुक्स एवं स्कूल बैग का वितरण किया। आयोजक रामेगोड़ा ने मुणोत को सम्मानित किया।

नमन करने से खुश रहने का आशीर्वाद प्राप्त होता है : ज्ञानमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के हीराबाग जैन स्थानक में विराजित श्री ज्ञानमुनिजी ने अपने प्रवचन में कहा कि स्मरण, भजन और कीर्तन करने से मन को सुख की अनुभूति प्राप्त होती है। नमन करने से हमें खुश रहने का आशीर्वाद प्राप्त होता है। जीवन पर्यंत अच्छा कार्य करना चाहिए जिससे सबका भला हो सके। क्रोध, मान, माया से जीवन नहीं जीना है। घमंड, अभिमान को नष्ट करने के लिए व्यक्ति का स्वयं विनम्र होना अति आवश्यक है।

नम्रता से किया गया कार्य केवल एक आशीर्वाद से मनुष्य का जीवन सफल हो जाता है। अपने माँ बाप के चरणों में अपना जीवन समर्पित करने वाला व्यक्ति बहुत भाग्यशाली

होता है। माता पिता से बढ़कर इस संसार में कोई नहीं है। उनके चरणों में स्वर्ग है। उनकी आज्ञा के विपरीत कोई ऐसा कार्य नहीं करें जिससे उन्हें ठेस पहुँचे। उनका आदर सम्मान करें, अगर हम उनका अपमान करते हैं तो नर्क गति का बंध करते है और हमें चौरासी लाख जीव योनियों में भटकना पड़ता है।

सद्गुरु जीवन के निर्माता होते हैं : डॉ. समकितमुनि

चातुर्मास का पहला मासखमण तप पूर्ण

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के महावीर धर्मशाला में संजीवनी चातुर्मास में चातुर्मासार्थ विराजित डॉ. समकितमुनि ने कहा कि यह हमारी अनंत एवं प्रबल पुण्यवाणी का ही फल है कि हमें तीर्थंकर परमात्मा भगवान महावीर का महान जिनशासन प्राप्त हुआ है। इस सौभाग्य पर गर्व करते हुए प्रत्येक व्यक्ति को अपनी वाणी, मन, व्यवहार और आज्ञापालन में जैनत्व के सुसंस्कारों को उतारना चाहिए। जीवन में गुरु की आज्ञा के प्रति सदैव विनीत रहना चाहिए। परमात्मा के प्रति श्रद्धा तभी सार्थक है, जब उनकी वाणी पर सम्यक आचरण किया जाए। सद्गुरु जीवन के निर्माता होते हैं। वे मनुष्य के सोए हुए मन और सुप्त आत्म-चेतना को जगाने के लिए निरंतर पुरुषार्थ करते हैं, इसलिए गुरु की आज्ञा को बोझ नहीं, बल्कि जीवन के कल्याण का मार्ग समझना चाहिए।

मुनिश्री ने रानी द्रौपदी के प्रेरक एवं रोचक कथानक के माध्यम से तपस्वी धर्मरुचि अनगार के संयमी जीवन की विशिष्टता पर प्रकाश डाला। मुनिश्री ने कहा कि माता-पिता और बड़े-बुजुर्गों की बातें कभी-कभी हमें कड़वी या अप्रिय लग सकती हैं, लेकिन उनके पीछे संतान के हित और कल्याण की भावना ही होती है, इसलिए व्यक्ति को उनके शब्दों का तत्काल विरोध करने के बजाय यह विचार करना चाहिए कि वे हमारे भले के लिए ही कह रहे हैं।

सभा में भवांत मुनिजी ने भी श्रद्धालुओं को तपस्या के लिए ओजस्वी प्रेरणा प्रदान की। जयवंत मुनिजी ने गुरु के असीम उपकारों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने वाली सुमधुर गीतिका सुनाई। इस अवसर पर बेंगलूरु चातुर्मास समिति के चेयरमैन अशोक रांका, अध्यक्ष रमेशचंद सिसोदिया, राजेश बोहरा, शांतिलाल भंडारी, राजेन्द्र मरलेचा, सुरेशचंद छल्लानी, नेमीचंद दलाल, पारसमल दुग्गड़, दीपचंद भंसाली, महिला समिति की अध्यक्ष रसीला मरलेचा, मंत्री पुष्पा बोहरा, युवा समिति के अध्यक्ष प्रदीप कांटेड, रूपेश सिसोदिया सहित अनेक सदस्य व समाज के गणमान्य लोग उपस्थित थे। समिति की ओर से युवा तपस्वी प्रथम पितलिया के मासखमण तप की पूर्णता पर सम्मान किया गया। संचालन समिति के महामंत्री जम्बू कुमार दुगड़ ने किया।

श्रद्धा के बिना जीवन अधूरा है : साध्वी स्वागतश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के हनुमंतनगर जैन भवन में विराजित साध्वीश्री स्वागतश्रीजी ने बुधवार को अपने प्रवचन में कहा कि श्रद्धा के बिना जीवन अधूरा है। विश्वास और श्रद्धा में बहुत अंतर है। विश्वास टूट जाता है, श्रद्धा कभी नहीं टूटती। विश्वास दिमाग से होता है, श्रद्धा दिल से होती है। विश्वास तर्क मांगता है, श्रद्धा समर्पण मांगती है। जैसे एक पुत्र को अपनी माँ पर श्रद्धा होती है, वह प्रमाण नहीं मांगता। वैसे ही हमें गुरु और धर्म पर श्रद्धा रखनी चाहिए।

साध्वी निर्ग्रन्थश्री जी ने कहा कि संसार के सारे दुःखों की जड़ राग व द्वेष है। राग यानी लगाव, द्वेष यानी नफरत। हमें जहाँ राग होता है वहाँ हम अंधे हो जाते हैं और जहाँ द्वेष होता है वहाँ हम बावले हो जाते हैं। अपने बेटे की गलती नहीं दिखती यह राग है, और पड़ोसी की अच्छाई नहीं दिखती यह द्वेष है। इसी राग-द्वेष ने हमें संसार में भटका रखा है। भगवान महावीर ने कहा कि वीतराग बनो। न किसी से ज्यादा लगाव, न किसी से ज्यादा नफरत। राग-द्वेष को जीतने का एक ही उपाय है समता। मंत्री सुरेश धोका ने संचालन किया एवं अध्यक्ष गौतमचंद सिंघवी ने धन्यवाद दिया।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**